www.tamsasanket.com

वर्षः 29|| अंक 166 ||अम्बेडकरनगर

मंगलवार

08 सितम्बर 2026 ||पृष्ठः 08|| मूल्यः ₹2

आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:48
सूर्यास्तः 06:20
अधिकतमः 31°00
न्यूनतमः 26°00

पेज 07

विशेष समाचार | सत्य निकेतन हादसा... >>पेज 04 | बागपत में 13 श्रद्धालुओं की ... >>पेज 06 | 'रानी पद्मावती का जौहर ...

वेंकटचलम, नेल्लोर में स्वर्ण भारत ट्रस्ट के 25वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए सीएम योगी

'शिक्षक समाज के दीपक हैं'

सीएम योगी के पहुंचते ही 'जय श्रीराम' के उद्घोष से गूंजा पूरा परिसर

शिक्षकों के नाम सीएम योगी का बड़ा संदेश

समारोह

- मुख्यमंत्री ने कहा, स्वर्ण भारत ट्रस्ट का ब्रिज स्कूल और यूपी के अटल आवासीय विद्यालय की सोच एक
- विदेशी आक्रमणों व औपनिवेशिक दौर ने भारत की स्वावलंबन व्यवस्था को कमजोर किया, लेकिन भारत के गांवों की आत्मा नहीं मिटी- सीएम
- वेंकैया नायडू ने दक्षिण व उत्तर भारत की सांस्कृतिक परंपराओं के बीच आत्मीय सेतु बनाने का कार्य किया- मुख्यमंत्री

तमसा संकेत, एजेंसी

वेंकटचलम (नेल्लोर)। स्वर्ण भारत ट्रस्ट के 25वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पहुंचते ही 'जय श्रीराम' के उद्घोष से पूरा परिसर गूंज उठा। बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ उनका स्वागत किया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। इस दौरान अपने संबोधन में सीएम योगी ने कहा कि विदेशी आक्रमणों और औपनिवेशिक दौर ने भारत की स्वावलंबी ग्रामीण व्यवस्था को कमजोर किया। गांवों की आत्मनिर्भरता और स्थानीय संस्थाओं पर इसका असर पड़ा, लेकिन गांवों की आत्मा कभी समाप्त नहीं हुई।

>> (शेष पेज 06 पर)

भारत की सभ्यता की सबसे बड़ी शक्ति हमारे गांव

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की सभ्यता की सबसे बड़ी शक्ति हमारे गांव रहे हैं। सदियों तक गांव अर्थव्यवस्था, सामाजिक जीवन और संस्कृति के केंद्र रहे। वे उत्पादन, ज्ञान और जल संरक्षण के साथ ही कला-शिल्प के केंद्र रहे हैं तथा सामाजिक मूल्यों की मूल इकाई भी रहे हैं। कृषि, पशुपालन, शिल्प, व्यापार, स्थानीय संस्थाएं, सभी एक दूसरे से जुड़ी थीं। गांव की अर्थव्यवस्था एक सर्कुलर इकॉनमी थी। एक का उत्पादन दूसरे की आजीविका बनता था। विदेशी आक्रमणों और औपनिवेशिक दौर का असर केवल अर्थव्यवस्था पर नहीं पड़ा। गांव की आत्मनिर्भरता कम हुई। स्थानीय संस्थाएं कमजोर हुईं और ग्रामीण भारत की विकास यात्रा पर आघात हुआ। सीएम ने कहा कि महात्मा गांधी ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान चेतना की एक नई दिशा दी थी। उनका आह्वान था- 'बैक टू विलेज'। वे 'ग्राम स्वराज' के माध्यम से ऐसा गांव चाहते थे जो आत्मनिर्भर हो, स्वावलंबी हो, अपनी आवश्यकताओं के लिए सक्षम हो और अपने निर्णय स्वयं लेने में समर्थ हो। >> (शेष पेज 06 पर)

नई पीढ़ी ग्लोबल हो और अपनी जड़ों से जुड़ी भी : सीएम योगी

सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 2001 में एक व्यक्ति ने शासन में रहकर समाज सेवा की यात्रा प्रारंभ की थी, आज वह भारत के प्रधानमंत्री हैं। उसी वर्ष समाज सेवा की एक और यात्रा शुरू हुई, जो स्वर्ण भारत ट्रस्ट के रूप में हम सबके सामने है। 25 वर्ष बाद दोनों यात्राओं का लक्ष्य एक ही है- विकसित भारत। जब सरकार और समाज दोनों की दिशा एक हो, दोनों का संकल्प एक हो और दोनों लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सामूहिक प्रयास करते हैं, तो अवश्य परिणाम आते हैं।

गांव की बेटियों को मिला गांव में रोजगार

मुख्यमंत्री ने स्वर्ण भारत ट्रस्ट की ग्रामीण महिलाओं के लिए संचालित प्रशिक्षण व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि इसमें महिलाओं के लिए अलग आवास की व्यवस्था भी है। जब तक व्यवस्था सुरक्षित नहीं होती, तब तक परिवार अपनी बेटी को बाहर नहीं भेजता। उत्तर प्रदेश में 'मिशन शक्ति' के माध्यम से महिलाओं को 'बीसी सखी' के रूप में तैयार किया गया। उन्हें प्रशिक्षण और डिजिटल डिवाइस देकर बैंकिंग सेवाओं से जोड़ा गया। अब गांव के बुजुर्गों व अन्य लोगों को बैंकिंग सेवाएं घर पर मिल रही हैं और ये काम उसी गांव की बेटियां कर रही हैं। उन्हें अच्छी आय भी हो रही है। गोवंश संरक्षण के लिए उत्तर प्रदेश में 7,700 से अधिक गो-आश्रय स्थल बनाए गए हैं। निराश्रित गोवंश को पालने वाले किसानों को राज्य सरकार की ओर से प्रति गोवंश 1,500 रुपये प्रतिमाह दिए जा रहे हैं।

इकोसिस्टम से बाहर बच्चों को वापस शिक्षा में लाना महत्वपूर्ण

मुख्यमंत्री ने कहा कि रेजिडेंशियल ब्रिज स्कूल के माध्यम से स्वर्ण भारत ट्रस्ट वंचित तबके के बच्चों को शिक्षा, भोजन, पुस्तकें, ड्रेस और आवास की सुविधा उपलब्ध कराकर उन्हें फिर से शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का सराहनीय कार्य कर रहा है। अक्षरा विद्यालय और स्वर्ण भारती विद्या मंदिर जैसे संस्थानों के माध्यम से ग्रामीण व बीपीएल परिवार के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने का भी अभिनव कार्य हो रहा है। पीएम मोदी जी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में भी श्रमिकों के बच्चों के लिए 18 मंडल मुख्यालयों पर अटल आवासीय विद्यालय स्थापित किए गए हैं। कोरोना महामारी के दौरान माता-पिता को खोने वाले बच्चों को भी इन विद्यालयों में शिक्षा व आवास सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। ये निःशुल्क आवासीय विद्यालय हैं, जहां आधी सीटें बालिकाओं के लिए आरक्षित हैं।

बंगाल सरकार के विज्ञापन में मां दुर्गा के 11 हाथ

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार के सोमवार को राज्य के अखबारों में एक विज्ञापन जारी किया। अब इस विज्ञापन में छपी मां दुर्गा की तस्वीर को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। फोटो में दुर्गा को पारंपरिक 10 भुजाओं के बजाय 11 भुजाओं के साथ दिखाया गया है।

इसे लेकर अब राजनीतिक विवाद भी खड़ा हो गया है। सरकार के निशाने पर आने के बाद BJP नेता समिक भट्टाचार्य ने प्रितिक्रिया देते हुए यहां तक कह दिया कि मां दुर्गा और भी शक्तिशाली हो गई हैं।

हालांकि बाद में उन्होंने कहा कि उन्होंने अभी विज्ञापन नहीं देखा है। उनके मुताबिक, अगर किसी एजेंसी से गलती हुई है तो यह राजनीतिक मुद्दा नहीं है। गलती को ठीक कर ली जाएगी। TMC विधायक कुणाल घोष ने विज्ञापन की तस्वीर शेयर करते हुए सरकार पर तंज कसा।

स्पेस एजेंसी सरकारी संस्था ही है : नारायणन

9 कर्मचारियों संगठनों ने लेटर लिखकर स्पष्टीकरण मांगा था

बयान

तमसा संकेत, एजेंसी

- इसरो के नौ कर्मचारी संगठनों ने 7 सवाल उठाए थे

बेंगलुरु । नारायणन बेंगलुरु स्पेस एक्सपो (BSX) के 9वें सीजन के उद्घाटन समारोह के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि देश में अंतरिक्ष क्षेत्र और स्पेस इकोनॉमी को बढ़ाने के लिए ISRO प्राइवेट कंपनियों और स्टार्टअप्स के साथ काम कर रहा है।

नारायणन का बयान ISRO की 9 कर्मचारी संगठनों के 4 सितंबर को भेजे गए पत्र के बाद आया। संगठनों ने ISRO के मैन्युफैक्चरिंग और ऑपरेशनल कामों को प्राइवेट संस्थाओं को सौंपने के प्रस्ताव पर जवाब मांगा था।

हम सरकारी निवेश के साथ काम कर रहे हैं। लेकिन अब हमारे सामने कई तरह के काम हैं। देश में स्पेस इकोसिस्टम और स्पेस इकोनॉमी को बढ़ाना जरूरी है।

करीब 6 साल पहले स्पेस सेक्टर में सुधार लागू किए गए थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

36 हजार फीट पर प्लेन का ऑयल प्रेशर कम हुआ

अबू धाबी जा रही एअर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट कोच्चि लौटी

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट में तकनीकी खराबी के कारण एक इंजन के सहारे कोच्चि लौटना पड़ा और यहां इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई।

ANI ने सूत्रों के हवाले से बताया कि यह बोइंग 737 विमान अबू धाबी जा रहा था। करीब 50 मिनट की उड़ान के बाद पायलट ने इसके एक इंजन में ऑयल प्रेशर कम पाया। तब यह 36 हजार ट की ऊंचाई पर था। इंजन में ऑयल खतरनाक स्तर तक कम हो गया, तब दोनों पायलट ने इसे बंद करने का फैसला किया। वे एक इंजन सहारे ही कोच्चि लौटे। चूंकि विमान ने करीब दो घंटे की ही उड़ान भरी थी इसलिए इसमें फ्यूल ज्यादा था। ऐसे में यह ओवरवेट लैंडिंग थी, जो और भी जोखिम भरी होती है। >> (शेष पेज 06 पर)

एअर इंडिया एक्सप्रेस ने कहा- रिपोर्ट्स सही नहीं

एअर इंडिया एक्सप्रेस ने कहा, 'एक हफ्ते पहले हमारी कोच्चि-अबू धाबी की एक फ्लाइट ने तय सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत वापस कोच्चि लौटने का फैसला किया था। इस घटना को सही समय और पूरे संदर्भ के बिना पेश करने वाली रिपोर्ट्स यात्रियों और आम लोगों के बीच अनावश्यक चिंता पैदा कर सकती हैं।'

फास्ट न्यूज

दावा-ठाकरे गुट के 14 विधायक एकनाथ के संपर्क में

नई दिल्ली। शिवसेना शिंदे गुट के विधायक मुरजी पटेल ने दावा किया है कि आने वाले दिनों में राज्य में ऑपरेशन टाइगर-4 होने वाला है। पटेल का कहना है कि शिवसेना ठाकरे गुट के करीब 20 में से 14 विधायक एकनाथ शिंदे के संपर्क में हैं।

सुनवाई | विकल्प

स्वतंत्र भारद्वाज के वकील बोले- गिरफ्तारी की हिम्मत कैसे की

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट में सोमवार को स्वतंत्र भारद्वाज की गिरफ्तारी को लेकर सुनवाई हुई। भारद्वाज के वकील ने कहा कि जब सुप्रीम कोर्ट ने जंतर-मंतर मामले से जुड़ी सारी FIR रद्द कर दी थीं, तो दिल्ली पुलिस ने उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जाकर उसे गिरफ्तार करने की हिम्मत कैसे की।

पुलिस ने इस दावे को चुनौती देते हुए कहा कि मौजूदा मामले की FIR रद्द नहीं हुई है।

कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से साफ जवाब मांगा कि संबंधित FIR अभी है या नहीं। कोर्ट ने पुलिस को तुरंत बयान देने या हलफनामा दाखिल करने का विकल्प दिया।

वडोदरा में पीएम मोदी का जेनजी कार्यक्रम

वडोदरा । गुजरात के वडोदरा में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में विशेष कार्यक्रम होने जा रहा है। पीएम का यह कार्यक्रम कई प्रोजेक्ट्स के शिलान्यास और लोकार्पण का है, लेकिन इसमें जेन-जी का पीएम से सीधा संवाद भी होगा। इसीलिए इस बार पीएम का स्टेज भी न्यू थीम पर डिजाइन किया गया है।

पत्नी का सिर काटकर फ्रिज में रखा

गुवाहाटी । असम के गुवाहाटी से एक युवक ने पत्नी की हत्या कर दी। आरोपी पति ने पत्नी का सिर धड़ से अलग करके फ्रिज में रख दिया और उसके दोनों हाथों की उंगलियां भी काट दीं।

मामले का खुलासा रविवार को तब हुआ था जब, वह बॉडी कुत्ते को खिलाने की तैयारी में था, लेकिन तेज बदबू आने पर पड़ोसियों ने पुलिस बुला ली। पुलिस फ्लैट का ताला तोड़कर अंदर घुसी तो 25 साल की रिया तालुकदार का धड़ मिला। हत्या के बाद से ही आरोपी रामानुजन गोस्वामी फरार था, जिसे सोमवार सुबह अरेस्ट कर लिया गया। पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि हत्या के बाद रामानुजन ने उसी कमरे में खाना बनाया और खाया था। इसके बाद उसने रिया के शव को काटकर मांस कुत्तों को खिलाने की योजना बनाई थी। लेकिन, खाना खाने के बाद वह घर से भाग निकला।

सीएम विजय बोले-मेरी जीत के पीछे महिलाएं हीं उदयनिधि स्टालिन ने एक्ट्रेस तृषा पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी

'अपमानजनक भाषा बर्दाश्त नहीं करूंगा'

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। तमिलनाडु के सीएम विजय ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा उनकी सरकार की प्राथमिकता है। महिलाओं के खिलाफ किसी भी तरह की अभद्र भाषा बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विजय का यह बयान नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन की एक्ट्रेस त्रिशा को लेकर की गई डबल मीनिंग टिप्पणी के विवाद के बीच आया है। पुलिस ने 4 अगस्त को उदयनिधि स्टालिन को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था। मद्रास हाईकोर्ट के आदेश के बाद उन्हें उसी दिन रिहा कर दिया गया था। विजय ने कहा कि विकास के लिए कानून-व्यवस्था बनाए रखना जरूरी है।

>> (शेष पेज 06 पर)

उदयनिधि से पुलिस ने 8 घंटे तक पूछताछ की थी

उदयनिधि स्टालिन ने यह कथित डबल-मीनिंग टिप्पणी 3 अगस्त को तंजावुर में कावेरी जल विवाद को लेकर आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान की थी। इसी दौरान भीड़ में ₹तृषा, तृषा₹ के नारे लगे। आरोप है कि इस पर उदयनिधि ने कहा, ₹पानी कहीं और पहुंचे या न पहुंचे, वहां जरूर पहुंचना चाहिए।₹ बाद में सफाई दी कि उनका इशारा कावेरी के पानी की ओर था। इसके बाद 4 अगस्त को उदयनिधि से पुलिस ने 8 घंटे तक पूछताछ की, जिसके बाद उन्हें रिहा कर दिया गया।

>> (शेष पेज 06 पर)

सुनवाई : सरकार भी जवाबदेही से नहीं बच सकती बिल्डिंग मालिक गिरफ्तार अब तक 7 की मौत

हॉस्टल हादसे के लिए नगर निगम जिम्मेदार : हाईकोर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली हॉस्टल मामले में आज हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा- हादसे के लिए दिल्ली नगर निगम और दिल्ली यूनिवर्सिटी दोनों जिम्मेदार हैं।

कोर्ट ने कहा कि बाहर से पढ़ने आने वाले छात्रों के हॉस्टलों की हालत बेहद दयनीय और खराब है। सरकार जिम्मेदारी से नहीं बच सकती है। अदालत ने एमसीडी (MCD), दिल्ली सरकार, केंद्र सरकार, एनएचआरसी (NHRC) और दिल्ली विश्वविद्यालय को 10 दिनों के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। वहीं, पुलिस ने हॉस्टल के मालिक हरिराम बंसल को राजस्थान के भिवाड़ी से गिरफ्तारी में ले लिया है। पुलिस ने उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया था।

>> (शेष पेज 06 पर)

राहुल बोले- कुछ छोटे अफसरों पर जिम्मेदारी मढ़ दी जाती है

राहुल गांधी ने सोमवार को X पर लिखा कि हर बार BJP सरकार का वही शर्मनाक पैटर्न - हादसों से पहले रोकथाम नहीं, उनके बाद बयानबाजी होती है, कुछ छोटे अफसरों पर जिम्मेदारी मढ़ दी जाती है, और असली गुनहगार जवाबदेही मुक्त रहते हैं। उन्होंने कहा कि 12 साल में ये सरकार दुनिया भर की बातें कर के आपको गोल-गोल घुमाती रही, लेकिन मुद्दे की बात नहीं की।

रविवार दोपहर दो बजे से सोमवार शाम 4:30 बजे तक लगभग 27 घंटे तक दिल्ली हॉस्टल हादसे में रेस्क्यू ऑपरेशन चला। अब ऑपरेशन पूरा हो चुका है।

!! ॐ शांति !!

आप हमेशा हमारे दिलों में जीवित रहेंगे...

आपकी स्मृतियाँ हमेशा हमारे साथ रहेंगी...

स्व0 भूपेन्द्र वीर सिंह गर्गवंशी

जन्मतिथि – 15 / 11 / 1952 | स्वर्गवास – 29 / 08 / 2026

मान्यवर, श्री......

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि मेरे बड़े भाई व वरिष्ठ पत्रकार डाँ0 भूपेंन्द्र वीर सिंह गर्गवंशी जी का 29 अगस्त 2026 को निधन हो गया। दिवंगत आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन सुनिश्चित किया गया है।

त्रयोदशः संस्कार (शांतिभोज) | 10 सितंबर 2026 दिन बृहस्पतिवार

अतः आपसे सादर निवेदन है कि 10 सितंबर को आयोजित तेहरवीं (त्रयोदशाह) संस्कार कार्यक्रम में पधारकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करें।

कार्यक्रम स्थलः ब्लाक परिसर, अकबरपुर, अम्बेडकरनगर

शोकाकुल परिवार

राजेश कुमार सिंह,
मिथिलेश सिंह, सोमेंन्द्र वीर सिंह,
सत्यम सिंह, शिवम सिंह, धैर्य बीर सिंह,
आर्यन सिंह, शक्ति सिंह व समस्त सिंह परिवार।

!! शोकसंतप्त !!

बृजेन्द्र वीर सिंह
उपाध्यक्ष, प्रेस क्लब अंम्बेडकरनगर
ब्यूरो चीफ, न्यूज 24 / तमसा संकेत हिंदी दैनिक
संपर्क क्रमांकः 8546021177, 8808811099

विनम्र श्रद्धांजलि – एक प्रेरणदायी व्यक्तित्व को नमन

प्रयागराज में रामवन गमन पथ धंसने पर जवाब, सपा ने कहा- राम नाम पर भ्रष्टाचार

सड़क बनेगी तो धंसेगी ही : केशव प्रसाद

बहस

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में राम वनगमन पथ मार्ग के धंसने के मामले ने अब राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। सड़क की स्थिति को लेकर सवाल उठने के बाद प्रयागराज पहुंचे प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से जब इस मामले में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, "सड़क बनेगी तो धंसेगी, धंसेगी तो बनेगी, यह नॉर्मल है।" उपमुख्यमंत्री के इस बयान के बाद अब इस मामले को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। सपा प्रवक्ता दान बहादुर सिंह ने कहा कि उपमुख्यमंत्री का बयान बेहद शर्मनाक है और यह कहीं न कहीं भ्रष्टाचार को सामान्य बात बताने के साथ जनता के प्रति सरकार की खत्म हो चुकी संवेदनशीलता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह जनता के टैक्स का पैसा है और सड़क धंसने की जिम्मेदारी ठेकेदार, ठेका देने वाले अधिकारी-कर्मचारी और सरकार सभी की बनती है। मीडिया के सवाल उठाने पर अगर उपमुख्यमंत्री इसे सामान्य घटना बताते हैं तो उन्हें बताना चाहिए कि पुल टूटना, सड़कें धंसना और सरकारी योजनाओं में अनियमितताएं होना क्या सामान्य बात है या फिर उनकी जनता के प्रति संवेदनशीलता खत्म हो चुकी है। दान बहादुर सिंह ने आरोप लगाया कि प्रदेश में भ्रष्टाचार पूरे सिस्टम में व्याप्त है और इसमें जिम्मेदार लोग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री पहले PWD मंत्री भी रहे हैं और उनकी सरकार में बने एक्सप्रेस-वे, पानी की टंकियां और हर घर जल योजना से जुड़े निर्माण भी कई जगह सवालों के घेरे में रहे हैं। उन्होंने कहा कि राम वनगमन पथ का काम निर्धारित समय में पूरा होना था, लेकिन समय बढ़ाए जाने के बावजूद परियोजना पूरी नहीं हो सकी और उद्घाटन से पहले ही सड़क धंस गई। सपा प्रवक्ता ने कहा कि सरकार अपनी जवाबदेही स्वीकार नहीं कर रही है, जबकि जनता जवाब मांग रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव में जनता इसका जवाब देगी और सिराथू का उदाहरण सामने है।

सपा ने कहा, नाम नाम पर बनी परियोजना में भ्रष्टाचार

केशव प्रसाद मौर्य के बयान पर समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता दानबहादुर ने सरकार पर निशाना साधते हुए इसे बेहद शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह का बयान कहीं न कहीं भ्रष्टाचार को सम्मान देने जैसा है और इससे साफ है कि जनता के प्रति सरकार की संवेदनशीलता खत्म हो चुकी है।

सपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि राम के नाम पर बनने वाली परियोजना में भ्रष्टाचार हुआ है और अब उसे सामान्य बताने की कोशिश की जा रही है।

- राम वनगमन पथ परियोजना का साल 2022 में शिलान्यास किया गया था। धार्मिक और पर्यटन की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण इस परियोजना के पूरा होने से अयोध्या से प्रयागराज और चित्रकूट तक श्रद्धालुओं की यात्रा आसान होने की उम्मीद है।

समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता दान बहादुर सिंह ने कहा डिप्टी सीएम का बयान शर्मनाक है।

अमेरिका-ईरान युद्ध का असर बनारसी साड़ी महंगी होगी

कहा- 10 सितंबर से 15 प्रतिशत दाम बढ़ेंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । बनारसी साड़ी के सभी प्रोडक्ट की कीमत अगले 3 दिन में बढ़ जाएंगी। 10 सितंबर से यह इनकी खरीदारी के लिए ज्यादा कीमत चुकानी होगी। बुनकरों के प्रतिष्ठित संस्था बुनकर उद्योग मंडल ने इस बात का एलान किया है।

इस फैसले पर बुनकर बिरादराना तंजीम, बुनकर उद्योग मंडल, हिंदू बुनकर कल्याण समिति व गिरस्ता एवं व्यापारी बंधुओं ने अपनी सहमति जताई है।

बनारसी साड़ी का कच्चा माल अमेरिका- ईरान युद्ध के बाद से महंगा हुआ है। क्योंकि ये सभी पेट्रो प्रोडेक्टस हैं।

बुनकर उद्योग मंडल के महासचिव मोहम्मद जुबेर ने बताया- 10 सितंबर 2026 से बनारसी साड़ी, दुपट्टा, थान, सूट फैब्रिक समेत तैयार कपड़ों की कीमतों में 10 से 15 फीसदी तक बढ़ोतरी की तैयारी है। पिछले एक सप्ताह से हम लोगों ने बुनकर के सभी संगठनों एक कर एक सहमति बनाई है।

कच्चे माल पर 20 से 25 प्रतिशत दाम बढ़ गया है। ऐसे हम लोगों ने यह फैसला लिया है कि अब आने वाली 10 सितंबर से हमारे प्रोडक्ट का दाम बढ़ाकर मार्केट में भेजेंगे।

जुबेर ने बताया - इस बढ़ोत्तरी में कोई विरोधाभास नहीं है। क्योंकि हमारा जो कच्चा माल महंगा हुआ है। उसके लिए हमें अपना प्रोडक्ट महंगा करना पड़ रहा है। गद्दीदार जो हैं जहां से प्रोडक्ट लोग खरीदते हैं, वो भी इस बात से सहमत हैं। मार्केट दाम बढ़ाने के लिए सहमत है।

फास्ट न्यूज

एई, दो जेई और ठेकेदार हिरासत में लिए गए

गोरखपुर। राप्ती नदी के किनारे गुरु गोरक्षनाथ घाट पर रविवार को हुई गुंबद गिरने की घटना में दो अधिवक्ताओं की मौत हो गई थी। इस मामले में लापरवाही बरतने पर सीएमओ, घाट के सुंदरीकरण का काम कराने वाले ठेकेदार, सिंचाई विभाग के ड्रेनेज खंड के सहायक अभियंता (AE), दो अवर अभियंता (JE) पर FIR दर्ज की गई थी। रात से ही उन्हें पकड़ने के लिए दबिश दी जा रही थी। सोमवार की सुबह उन्हें हिरासत में लिया गया है।

काशी विद्यापीठ में छात्रों का धरना, रखीं 11 मांगें

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में छात्रों ने 11 सूत्री मांगों को लेकर प्रशासनिक भवन के सामने धरना दिया। समाजवादी छात्र संघ के छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। छात्रों का कहना है कि वे पहले भी कई बार अपनी मांगों को लेकर धरना दे चुके हैं, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन देकर मामला टाल दिया जाता है।

इस बार मांगें पूरी नहीं हुईं तो अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा। छात्रों ने विश्वविद्यालय में बारिश के बाद जलभराव, रिजल्ट में गलतियां, नियमित क्लास और लाइब्रेरी में नई किताबें उपलब्ध कराने समेत कई मांगें रखीं।

बीएचयू में 'अन्विति-2026' का उद्घाटन

वाराणसी। वाराणसी में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की हिंदी प्रकाशन समिति द्वारा आयोजित वार्षिक समारोह 'अन्विति-2026' का उद्घाटन हिंदी सप्ताह के अंतर्गत संपन्न हुआ। विज्ञान संकाय के प्रमुख प्रोफेसर ए.डी. सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि इतिहास साक्षी है कि वही राष्ट्र निरंतर आगे बढ़ा है, जिसने अपनी मातृभाषा का सम्मान किया ।

बाढ़ देखकर लौट रहे बाइक सवार गिट्टी के ढेर पर चढ़े, दोनों की मौत

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के हेतमापुर में बाढ़ की स्थिति का जायजा लेकर बाइक से वापस लौट रहे दो लोग सोमवार को सड़क हादसे का शिकार हो गए। बाढ़ केंद्र के पास पश्चिम दिशा में सड़क किनारे पड़े गिट्टी के ढेर पर अचानक बाइक चढ़ गई। बाइक अनियंत्रित होने से दोनों सवार करीब छह फीट तक उछलकर सड़क पर जा गिरे। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों और बाढ़ केंद्र पर तैनात एंबुलेंस कर्मियों ने तत्काल दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सूरतगंज पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने लालपुर गांव निवासी अजीज पुत्र शुक्र अल्लाह (50) को जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल कुतलूपुर गांव निवासी मोहम्मद लाइक पुत्र सिद्दीकी (40) को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि दोनों लोग हेतमापुर क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति देखने के बाद बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान बाढ़ केंद्र के समीप पश्चिम दिशा में सड़क किनारे पड़े गिट्टी के ढेर पर बाइक अचानक चढ़ गई। गिट्टी पर चढ़ते ही बाइक का संतुलन बिगड़ गया और दोनों सवार उछलकर सड़क पर जा गिरे। हादसे में दोनों के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने तत्काल मदद करते हुए दोनों घायलों को एंबुलेंस तक पहुंचाया। सीएचसी सूरतगंज में चिकित्सकों ने अजीज को मृत घोषित कर दिया, जबकि मोहम्मद लाइक की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

ग्रामीणों ने खुद तोड़ने शुरू किए घर बनाए आशियाने उजड़ने का सता रहा डर

घाघरा के कटान का रुख बाबा नारायण दास मंदिर की ओर

- अपने हाथों से उजाड़ रहे आशियाना, चेहरे पर साफ दिख रहा दर्द
- खेतों के बाद अब घरों की बारी, बढ़ता जा रहा दायरा
- ईंट-खंडा और बोरियों से कटान रोकने के प्रयास पर उठे सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। रामनगर तहसील क्षेत्र के सूरतगंज ब्लॉक में घाघरा नदी का बढ़ता जलस्तर अब ग्रामीणों के लिए मुसीबत का सबब बनता जा रहा है। हेतमापुर क्षेत्र में पिछले कई दिनों से जारी कटान ने अब और विकराल रूप ले लिया है। नदी लगातार जमीन को अपने आगोश में ले रही है और कटान का रुख अब हेतमापुर स्थित तपोस्थली बाबा नारायण दास मंदिर की ओर बढ़ने से ग्रामीणों की चिंता और बढ़ गई है। नदी के बढ़ते खतरे को देखते हुए आसपास के कई परिवारों ने अपने वर्षों की मेहनत और कमाई से बनाए आशियानों को खुद ही तोड़ना शुरू कर दिया है। ग्रामीण मकानों की दीवारें तोड़कर ईंटें, खिड़की-दरवाजे, टीन, लकड़ी और अन्य जरूरी सामान निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रहे हैं। आंखों के सामने अपने घर को उजाड़ना ग्रामीणों के लिए बेहद पीड़ादायक है, लेकिन नदी के लगातार बढ़ते कटान के बीच उन्हें यही रास्ता सुरक्षित नजर आ रहा है। तो वही नदी के किनारे एक्सचेंज बिल्डिंग भी नदी के काटन के एकदम मुहान पर है। हेतमापुर क्षेत्र में कटान का मंजर बेहद भयावह है। जिन मकानों को ग्रामीणों ने वर्षों की मेहनत, मजदूरी और पाई-पाई जोड़कर खड़ा किया था, आज उन्हीं मकानों को वे अपने हाथों से तोड़ने को मजबूर हैं। कोई दीवार की ईंट निकाल रहा है तो कोई दरवाजे और खिड़कियां उखाड़कर सुरक्षित स्थान पर ले जा रहा है। महिलाएं और बच्चे भी घर से जरूरी सामान समेटने में जुटे हैं।

नदी की धार ने बदला रुख, मंदिर की ओर बढ़ा खतरा

घाघरा नदी के कटान का रुख अब बाबा नारायण दास मंदिर की ओर होने से धार्मिक स्थल की सुरक्षा को लेकर भी चिंता गहरा गई है। मंदिर के आसपास नदी की धारा जमीन को तेजी से काट रही है। कटान के कारण लगातार भूभाग कम होता जा रहा है। ग्रामीणों की निगाहें अब नदी की हर हलचल पर टिकी हुई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बाबा नारायण दास मंदिर क्षेत्र आस्था का प्रमुख केंद्र है और यहां बड़ी संख्या में लोग आते-जाते हैं। ऐसे में यदि कटान पर तत्काल प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में मंदिर और आसपास के क्षेत्र पर भी खतरा बढ़ सकता है।

वाराणसी कोर्ट ने कहा- सीओ कौशांबी सत्येंद्र तिवारी को अरेस्ट कर पेश करें

गले लगकर रोने वाले सीओ की गिरफ्तारी का आदेश

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज-कौशांबी बार्डर पर पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट में 14 लोगों की मौत मामले में कार्रवाई में जुटे कौशांबी के सीओ सत्येंद्र तिवारी की गिरफ्तारी का आदेश कोर्ट ने जारी किया है।

सिराथू सर्किल के सीओ सत्येंद्र तिवारी विस्फोट में मरने वालों के परिजनों से गले लगकर रोते नजर आए थे। उनका वीडियो भी खूब वायरल हुआ था। अब उन्हें गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करने का आदेश भी सोशल मीडिया पर खूब चल रहा है।

असल में एससी/एसटी एक्ट से जुड़े वर्ष 2018 के एक मुकदमे में गवाही के लिए बार-बार बुलाए जाने के बावजूद न्यायालय में उपस्थित नहीं होने पर तत्कालीन विवेचक व वर्तमान (सीओ कौशांबी) सत्येंद्र तिवारी के खिलाफ विशेष न्यायालय ने कड़ा रुख अपनाया है।

विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी एक्ट) वाराणसी सुधाकर राय की अदालत ने तत्कालीन विवेचक सत्येंद्र प्रसाद तिवारी वर्तमान में सीओ कौशांबी को गिरफ्तार कर 10 सितंबर 2026 को न्यायालय के समक्ष पेश करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने संबंधित पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि विवेचक सत्येंद्र प्रसाद तिवारी को गिरफ्तार कर 10 सितंबर 2026 को न्यायालय में प्रस्तुत किया जाए। साथ ही उनके वेतन पर भी रोक लगाने का आदेश दिया गया है।

विवेचक सत्येंद्र तिवारी की गवाही होनी है

मामला सत्र परीक्षण संख्या-401/2018, राज्य बनाम तौफीक आलम अंसारी से संबंधित है। न्यायालय के आदेश के अनुसार मामले की पत्रावली में विवेचक सत्येंद्र प्रसाद तिवारी और चिकित्सक साक्षी की गवाही होनी थी।

विवेचक को पूर्व में 13 अगस्त 2026 को जरिये वीसी तलब किया गया था, लेकिन वह तिरंगा यात्रा के कारण उपस्थित नहीं हुए।

इसके बाद उन्हें 24 अगस्त 2026 को वीसी के माध्यम से साक्ष्य के लिए बुलाया गया, लेकिन उस दिन भी वह उपस्थित नहीं हुए। अदालत ने आदेश में कहा कि इसके बाद साक्ष्य के लिए एक सितंबर 2026 की तिथि निर्धारित की गई थी, लेकिन विवेचक इसके बावजूद न्यायालय में उपस्थित नहीं हुए। न्यायालय ने इसे गंभीरता से लेते हुए कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि साक्षी जानबूझकर साक्ष्य देने के लिए उपस्थित नहीं हो रहा है।

घर में डेढ़ फीट पानी तख्त पर बन रहा खाना

5 गांवों की 1250 आबादी बाढ़ की चपेट में

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी। नेपाल के बैराजों से लगातार लाखों क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद सरयू (घाघरा) नदी उफान पर है। बाराबंकी की रामसनेहीघाट तहसील के तराई क्षेत्र में बाढ़ का पानी गांवों में घुस गया है। करीब 5 गांवों की 1250 आबादी जलभराव की चपेट में है। घरों में पानी भरने से ग्रामीणों के लिए रोजमर्रा की जिंदगी मुश्किल हो गई है। प्रशासन की ओर से प्रभावित परिवारों तक भोजन और जरूरी राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। इसके बावजूद पीने के पानी, मवेशियों के चारे और शौचालय जैसी बुनियादी जरूरतों की समस्या बनी हुई है। जलालपुर गांव में बाढ़ की स्थिति ज्यादा गंभीर है। यहां 65 वर्षीय राम सागर और उनकी 60 वर्षीय पत्नी दशरथ देई के घर और झोपड़ी में करीब डेढ़ फीट तक पानी भरा है। घर के फर्श पर सूखी जगह तक नहीं बची है। ऐसे में बुजुर्ग दंपती ने लकड़ी के तख्त पर चूल्हा रखकर खाना बनाने का इंतजाम किया है। दशरथ देई बताती हैं कि प्रशासन की ओर से उन्हें भोजन के पैकेट मिल रहे हैं, लेकिन सुबह की चाय और हल्का खाना बनाने के लिए इसी चूल्हे का सहारा लेना पड़ता है। घर में बची सूखी लकड़ियों से किसी तरह आग जलाकर खाना तैयार किया जा रहा है।

- फसल-मवेशी छोड़कर राहत शिविर जाने को तैयार नहीं

मुठभेड़ : पुलिस पर गोली चलाई, जवाबी फायरिंग में घायल हुआ बताया- शादी तय होने से नाराज था

एम.एससी. छात्रा का हत्यारोपी 20 दिन बाद हुआ गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में M.Sc छात्रा श्रेया उपाध्याय की हत्या के 20 दिन बाद आरोपी विवेक चौबे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। विवेक को पुलिस ने सोमवार सुबह 5 बजे मुठभेड़ के दौरान दबोच लिया। पुलिस पर फायरिंग कर भाग रहे विवेक को जवाबी कार्रवाई में गोली लगी। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसकी तलाश में कई टीमें लगाई गई थीं। इससे पहले उसके दोस्त पुनीत मिश्रा को पुलिस जेल भेज चुकी है।

पुलिस की पूछताछ में उसने युवती की शादी दूसरी जगह तय होने पर हत्या करने की बात को स्वीकार किया। बताया कि दोस्त के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया। बाद में शव कमरे में बंद करके दोनों फरार हो गए । एडीसीपी राजातालाब नृपेंद्र कुमार ने बताया कि राजातालाब पुलिस ने एमएससी की छात्रा श्रेया उपाध्याय की हत्या में मुख्य आरोपी विवेक चौबे को गिरफ्तार कर लिया है। इस हत्याकांड के मुख्य आरोपी विवेक चौबे ने वारदात की वजह और घटनाक्रम बताया है।

उसके बयान से साफ है कि छात्रा श्रेया हत्याकांड की हत्या प्रेम के बाद शादी के लिए की गई थी। युवती की शादी दूसरे युवक से तय होने के बाद विवेक क्षुब्ध था और उससे शादी के लिए लगातार दबाव बना रहा था, हालांकि युवती इनकार करती रही।

इसके बाद विवेक ने अपने दोस्त पुनीत मिश्रा के साथ उसे मारने की योजना बनाई। दोनों ने मिलकर उसे कमरे पर बुलाया और हत्या कर दी।

श्रेया उपाध्याय, मृतक

श्रेया की हत्या के बाद उसके आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठी थी।

> विवेक चौबे पुत्र राम सहाय चौबे को घायलावस्था में तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जक्खिनी भेजा गया। आरोपी के कब्जे से तमंचा बरामद किया गया है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

6 जिले 2 राज्यों में तलाश की, 150 सीसीटीवी खंगाले

रोहनिया के बच्छांव में एमएससी छात्रा श्रेया उपाध्याय का हत्यारोपी विवेक चौबे गिरफ्तारी से पहले लगातार लोकेशन बदलता रहा। 18 को हत्या और 20 अगस्त को शव मिलने के बाद पुलिस ने करीब 150 CCTV कैमरों की फुटेज खंगाली है। आरोपी का मोबाइल बंद करके अलग-अलग रिश्तेदारों और दोस्तों के घर शरण लिए था। वह लगातार ठिकाने बदल रहा है। उसके रिश्तेदारों, परिचितों और संपर्क में रहने वाले लोगों से भी पूछताछ में पुलिस को मूवमेंट पता चला।

विवेक चौबे की तलाश में पुलिस आसपास के छह जिलों में उसके संभावित ठिकानों की जानकारी जुटा रही है। इसके अलावा दो राज्यों में भी उसकी तलाश की जा रही है। एसओजी समेत चार टीमें अलग-अलग बिंदुओं पर काम करती रहीं।

नगर निगम में एनसीएपी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

> कार्यक्रम का संचालन पर्यावरण विज्ञान विभाग की शोधार्थी अंजलि द्वारा किया गया। उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं जागरूकता गतिविधियों का प्रभावी संचालन करते हुए प्रतिभागियों एवं उपस्थित अतिथियों को स्वच्छ वायु संरक्षण के प्रति जागरूक किया।

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली। स्वच्छ वायु एवं नीले आकाश के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस के अवसर पर नगर निगम बरेली के बोर्ड हॉल में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP) की IEC टीम द्वारा वायु प्रदूषण एवं स्वच्छ वायु के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एकल एवं समूह नृत्य, डिबेट प्रतियोगिता, डिजिटल प्रतियोगिता तथा जागरूकता सत्र आयोजित किए गए।

कार्यक्रम का आयोजन NCAP IEC Team की Project Head मानसी गुप्ता के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। मानसी गुप्ता ने कार्यक्रम के माध्यम से स्वच्छ वायु के प्रति जनभागीदारी बढ़ाने तथा विद्यार्थियों और युवाओं को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने पर विशेष जोर दिया। उनके निर्देशन में विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों ने स्वच्छ वायु, प्रदूषण नियंत्रण एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में NCAP IEC Team के सभी सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। टीम में Zonal Head Sumit, Community Mobilizers Suneeti, Richa, Madhu, Shivam, Sumit Maurya, Lovi, Yogi, Rajwati एवं Kartik तथा Data Operator Philip शामिल रहे।

22 सूत्रीय मांगों को लेकर चालकों का प्रदर्शन

कलेक्ट्रेट के पास अम्बेडकर प्रतिमा के सामने धरना, राष्ट्रीय चालक आयोग और सुरक्षा कानून बनाने की उठी मांग

मांग

बृजेंद्र वीर सिंह

समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश चंद यादव ने कहा कि चालकों के लिए राष्ट्रीय चालक आयोग का गठन और चालक सुरक्षा कानून बनाया जाए। इसके साथ ही राज्य स्तर पर चालक कल्याण बोर्ड गठित करने की मांग की गई।

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। वाहन चालक कल्याण समिति भारत ने सोमवार को चालकों की विभिन्न समस्याओं को लेकर कलेक्ट्रेट के पास अम्बेडकर प्रतिमा के सामने धरना दिया। समिति के पदाधिकारियों ने प्रदर्शन के बाद जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। इसमें चालकों की सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और कल्याण से जुड़ी 22 सूत्रीय मांगें मुख्यमंत्री तक भेजने की मांग की गई। ज्ञापन में स्मार्ट ड्राइविंग लाइसेंस की प्रिंटिंग और उससे जुड़े कार्य निजी कंपनियों के बजाय सरकारी विभागों से कराने की मांग की गई। ABHAY, PMSBY, PMJJBY और PM-RAHAT जैसी योजनाओं को सभी जिलों में प्रभावी तरीके से लागू करने की मांग भी रखी गई। PM-RAHAT के तहत इलाज देने वाले अस्पतालों की सूची सार्वजनिक करने की मांग की गई। समिति ने पेट्रोल पंप, एंबुलेंस, सरकारी वाहनों और बसों में काम करने वाले संविदा चालकों को स्थायी कर सरकारी वेतन देने की मांग की। सभी चालकों को प्रधानमंत्री श्रम धन योजना से जोड़ने की भी मांग है। ज्ञापन में लाइसेंस की वैधता समाप्त होने के बाद चालकों को पांच हजार रुपये मासिक वृद्धावस्था पेंशन देने, राष्ट्रीय चालक सुरक्षा कोष बनाने, निशुल्क प्रशिक्षण और स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था करने की मांग की गई। प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय चालक दिवस मनाने और चालक परिवारों को आवास, शिक्षा व स्वास्थ्य से जुड़ी विशेष योजनाओं का लाभ देने की मांग भी शामिल है।

समिति ने चालकों के कल्याणकारी कार्यों की निगरानी स्वास्थ्य परिषद के माध्यम से कराने और सभी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई करने की अपील की।

भारी वाहनों में दो चालक रखने की मांग

समिति ने भारी मालवाहक वाहनों में दो चालकों की नियुक्ति अनिवार्य करने की मांग की। व्यावसायिक चालकों का आयुष्मान कार्ड बनाकर उसे ड्राइविंग लाइसेंस से जोड़ने और राष्ट्रीय हेल्पलाइन शुरू करने की मांग भी की गई। पुलिस विभाग में चालकों की सहायता के लिए सहायता केंद्र बनाने की बात कही गई।

हादसे में मौत पर 25 लाख की सहायता की मांग

ज्ञापन में दुर्घटना में चालक की मौत होने पर उसके परिवार को 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता और बीमा देने की मांग की गई है। दुर्घटना में मृत चालक का शव सरकारी मदद से घर पहुंचाने और अंतिम संस्कार राष्ट्रीय सम्मान के साथ कराने की भी मांग रखी गई। दुर्घटना में स्थायी विकलांगता होने पर 15 लाख रुपये की आर्थिक सहायता, पांच हजार रुपये मासिक पेंशन और इलाज का खर्च सरकार द्वारा उठाने की मांग की गई। चालक की मृत्यु होने पर पत्नी को 10 हजार रुपये मासिक विधवा पेंशन तथा बच्चों की शिक्षा और चिकित्सा निशुल्क कराने की मांग भी ज्ञापन में शामिल है।

जिला मुख्यालय पर मार्च निकालकर भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी

राहुल के खिलाफ एफआईआर पर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर के विरोध में सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आक्रोश सड़क पर दिखा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया और मार्च निकाला। कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव ने एफआईआर को लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान के खिलाफ बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। सैयद मेराजुद्दीन किछौछवी ने कहा कि देश को बांटने के बजाय जोड़ने की राजनीति की जरूरत है। उनके मुताबिक राहुल गांधी लगातार संविधान, सामाजिक न्याय और कमजोर वर्गों के अधिकारों की बात उठा रहे हैं। उन्होंने एफआईआर को लोकतांत्रिक आवाज दबाने की कोशिश बताया।

विरोध प्रदर्शन के बाद मोहम्मद रईस और बबलू के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इनमें मुस्तफा मौलाना, महफूज, महफूजुर रहमान, प्रवेश किरमानी, गुड्डू, जावेद, नवीन, शमशाद, अकमल, नफीस, अकबर आलम, मोहम्मद सद्दाम, इश्तियाक अहमद, राम बचन, गिरीश पांडे, हरिओम, मुश्ताक, लियाकत अली, अजीम, राजू, शिवपूजन, कमलेश यादव, तरन्न और शाहबानो समेत कई लोग शामिल रहे।

प्रदर्शन में आलोक पाठक, कुलदीप उपाध्याय, डॉ. सतीश चंद्र प्रजापति, दीपक मिश्रा, राजीव गुप्ता, निमतुल्लाह, जियाउद्दीन अंसारी, अमित कुमार, संजय यादव, रितेश त्रिपाठी, गुलाम रसूल छोटू, दीपक वर्मा, नंदकुमार गुप्ता दद्दू और विजय मिश्रा समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फास्ट न्यूज

जयघोष के बीच निकली गौ-चरावन मेले की शोभायात्रा

जलालपुर, अंबेडकरनगर। श्री रामलीला समिति की ओर से गौ-चरावन मेले की पारंपरिक शोभायात्रा निकाली गई। अध्यक्ष सुरेंद्र सोनी के नेतृत्व में निकली यात्रा पलटू साहब मंदिर से शुरू होकर रामलीला मैदान पहुंची। इसमें आकर्षक झांकियों के माध्यम से श्रीकृष्ण-बलराम और गौ-चरावन की झलक प्रस्तुत की गई। यात्रा के दौरान जय श्रीकृष्ण के जयघोष से नगर का माहौल गूंजता रहा।

एपीके फाइल डाउनलोड करते ही खाते से उड़ गए 6.97 लाख

अंबेडकरनगर। APK फाइल डाउनलोड करना आलापुर क्षेत्र की एक महिला को भारी पड़ गया। मदारडीह मुसेपुर कलां निवासी पियारी देवी के बैंक खाते से करीब 6.97 लाख रुपये निकल गए। साइबर क्राइम थाना पुलिस की कार्रवाई के बाद न्यायालय के आदेश पर 7 सितंबर को उनके खाते में दो लाख रुपये वापस कराए गए। इससे पहले भी पुलिस 1.99 लाख रुपये वापस करा चुकी है। अब तक कुल 3.99 लाख रुपये पीड़िता को वापस मिल चुके हैं।

पियारी देवी ने साइबर क्राइम थाने में शिकायत दर्ज कराई थी।

स्कूल के पास मिली आठ साल की बच्ची

अंबेडकरनगर। इब्राहिमपुर थाना क्षेत्र में सोमवार को केशवपुर प्राइमरी स्कूल के पास मिली आठ वर्षीय बच्ची को पुलिस ने उसके परिजनों से मिला दिया। बच्ची अपना नाम-पता नहीं बता पा रही थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और प्रयास के बाद उसकी पहचान कराई। सुबह करीब 10 बजे पीआरवी-9185 ने थाना इब्राहिमपुर पुलिस को सूचना दी कि इवेंट नंबर 05689 के तहत केशवपुर प्राइमरी स्कूल के पास करीब आठ साल की बच्ची मिली है।

महेशपुर नेमपुर को 1.41 करोड़ की सौगात बनेगा पंचायत उत्सव भवन

ग्रामीणों को सार्वजनिक आयोजनों के लिए मिलेगी सुविधा

तमसा संकेत, संवाददाता

एमएलसी हरिओम पांडेय ने स्वीकृति पर मुख्यमंत्री और पंचायती राज मंत्री का जताया आभार

अंबेडकरनगर। जलालपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत महेशपुर नेमपुर में पंचायत उत्सव भवन का निर्माण होगा। इसके लिए 1.41 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। भवन बनने के बाद ग्रामीणों को बैठकों, सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों समेत विभिन्न सामुदायिक आयोजनों के लिए सुविधा उपलब्ध होगी।

पंचायत उत्सव भवन की स्वीकृति पर विधान परिषद सदस्य हरिओम पांडेय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर का आभार जताया। उन्होंने कहा कि भवन ग्रामीण क्षेत्र में सामुदायिक गतिविधियों के लिए उपयोगी साबित होगा। इससे ग्राम पंचायत में सार्वजनिक आयोजनों के लिए व्यवस्थित स्थान उपलब्ध हो सकेगा। एमएलसी ने कहा कि पंचायत उत्सव भवन में ग्रामीणों की बैठकें, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम और अन्य सार्वजनिक गतिविधियां आयोजित की जा सकेंगी। उन्होंने इसे महेशपुर नेमपुर के विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण परियोजना बताया। उन्होंने कहा कि अयोध्या-अंबेडकरनगर क्षेत्र की स्थानीय जरूरतों और समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर संबंधित विभागों और प्रदेश सरकार के समक्ष रखा जा रहा है। विकास परियोजनाओं को स्वीकृति दिलाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

363 से अधिक मेधावियों का सम्मान 13 छात्रों को दो साल की छात्रवृत्ति

पंडित रामशब्द स्मृति महाविद्यालय में हुआ राज्य स्तरीय समारोह

चार शिक्षकों को मिला 'आचार्य नरेंद्रदेव शिक्षक सम्मान'

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। आलापुर के पंडित रामशब्द स्मृति महाविद्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक एवं मेधावी सम्मान समारोह में 363 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों को मेडल, मोमेंटो और प्रशस्तिपत्र प्रदान किए गए। वहीं 13 मेधावियों को लगातार दो वर्षों तक प्रतिमाह एक हजार रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। समारोह में उत्कृष्ट कार्य के लिए चार शिक्षकों और शिक्षाविदों को 'आचार्य नरेंद्रदेव शिक्षक सम्मान, उत्तर प्रदेश' से सम्मानित किया गया।

एकेडमिक रिसर्च सोसाइटी, उत्तर प्रदेश की ओर से आयोजित समारोह में आजमगढ़ के अपर मुख्य न्यायमूर्ति बालाकृष्णन एन. रंजन मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण के साथ सामाजिक परिवर्तन और नैतिक मूल्यों के संवाहक हैं। उनके व्यक्तित्व और कार्यों से विद्यार्थी ही नहीं, समाज भी प्रेरणा लेता है।

समारोह में प्रयागराज के शिक्षाविद डॉ. संतोष कुमार शुक्ल, प्रधानाचार्य दुर्ग विजय सिंह, प्रधानाचार्य अमित कुमार मिश्र, उद्घोषिका एवं शिक्षिका डॉ. प्रियंका तिवारी और निर्धन व बेसहारा बच्चों को लंबे समय से निशुल्क शिक्षा देने वाले तथा रक्तदाता नीलेश यादव को 'आचार्य नरेंद्रदेव सम्मान' प्रदान किया गया।

सोसाइटी की ओर से शोध, साहित्य, शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में प्रतिवर्ष प्रदेश के पांच उत्कृष्ट शिक्षकों को 'आचार्य नरेंद्रदेव शिक्षक सम्मान' दिया जाता है। बोर्ड और विश्वविद्यालय परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया जाता है। इस वर्ष समारोह में 13 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति दी गई। कार्यक्रम का आयोजन सोसाइटी के जिलाध्यक्ष डॉ. उदयराज मिश्र और महामंत्री मनीष मिश्र के संयोजन में हुआ।

कतर में हार्टअटैक से अंबेडकरनगर के युवक की मौत

एक दिन पहले ही परिवार से की थी बात

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। हंसवर क्षेत्र के मुंडेरा गांव निवासी 32 वर्षीय सद्दाम हुसैन की कतर में हार्टअटैक से मौत हो गई। 3 सितंबर को तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां देर शाम इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। परिवार के मुताबिक, मौत से एक दिन पहले ही सद्दाम ने फोन पर परिजनों से बातचीत की थी और जल्द घर लौटने की बात कही थी। अचानक मौत की खबर मिलने से परिवार सदमे में है।

सद्दाम ग्रामीण बैंक के सेवानिवृत्त कैशियर किताब्बुल्लाह के बेटे थे। परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में हाथ बंटाने के लिए वह करीब तीन साल पहले सऊदी अरब गए थे। वहां एक कंस्ट्रक्शन कंपनी में काम करते थे। करीब चार महीने पहले कंपनी ने उन्हें सऊदी अरब से कतर भेज दिया था। कतर में ही उनकी तबीयत बिगड़ गई।

परिजनों के अनुसार, 3 सितंबर को हालत खराब होने पर सद्दाम को अस्पताल में भर्ती कराया गया। देर शाम हार्टअटैक आने से उनकी मौत हो गई। साथ रह रहे लोगों ने फोन कर परिवार को घटना की जानकारी दी। खबर मिलते ही घर में मातम छा गया। सद्दाम का शव भारत लाना अब परिवार के सामने सबसे बड़ी चिंता है। परिजन प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से संपर्क कर शव को पैतृक गांव लाने में सहयोग मांग रहे हैं। परिवार चाहता है कि जरूरी प्रक्रिया जल्द पूरी हो, ताकि अंतिम संस्कार गांव में किया जा सके।

कटेहरी बाजार में सरकारी जमीन पर पक्का निर्माण और टीनशेड लगाने का आरोप

कब्जा हटाने पहुंची पीडब्ल्यूडी की टीम, खाली हाथ लौटी

जेसीबी-पुलिस के साथ पहुंची टीम भी नहीं करा सकी कब्जा खाली

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। कटेहरी बाजार में पीडब्ल्यूडी की जमीन पर कथित कब्जे का मामला अब कार्रवाई के बावजूद अटका हुआ है। कब्जा हटाने के लिए पीडब्ल्यूडी की टीम जेसीबी और पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची, लेकिन बिना कब्जा हटाए ही लौट गई। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि सरकारी जमीन पर पक्का निर्माण कर टीनशेड डाल दिया गया है। यही नहीं, कथित कब्जे के कारण दूसरे व्यक्ति के सहन का दरवाजा भी बंद हो गया है।

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि कब्जे वाली जगह पर पक्का निर्माण करने के साथ टीनशेड भी रखा गया है। आरोप है कि इसी निर्माण के कारण दूसरे व्यक्ति के सहन का दरवाजा बंद हो गया है। इससे आवागमन को लेकर भी विवाद की स्थिति बनी हुई है।

स्थानीय लोगों का सवाल है कि यदि जांच में जमीन पीडब्ल्यूडी की पाई जाती है तो उस पर हुए निर्माण को हटाने की कार्रवाई कब होगी। शिकायतकर्ताओं ने जमीन की पैमाइश और अभिलेखों की जांच कराने के बाद नियमानुसार कब्जा हटाने की मांग की है।

मामले में सबसे अहम बात यह रही कि शिकायतों के बाद पीडब्ल्यूडी की टीम कार्रवाई के लिए मौके पर पहुंची, लेकिन कब्जा हटाए बिना लौट गई। इससे शिकायतकर्ताओं में नाराजगी है। उनका कहना है कि सरकारी जमीन पर कब्जे की शिकायत के बाद भी यदि कार्रवाई पूरी नहीं हो पाती है तो कब्जा हटाने की प्रक्रिया कब पूरी होगी, यह बड़ा सवाल है।

दर्जनों शिकायतों के बाद पहुंची थी टीम

स्थानीय लोगों के मुताबिक पीडब्ल्यूडी की जमीन पर कब्जे को लेकर लंबे समय से शिकायतें की जा रही थीं। आरोप है कि जमीन पर धीरे-धीरे निर्माण कर उसे कब्जे में ले लिया गया। मामले को लेकर संबंधित अधिकारियों से कई बार शिकायत की गई। इसके बाद विभागीय टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति देखने और कब्जा हटाने की कार्रवाई की। पीडब्ल्यूडी की टीम जेसीबी और पुलिस के साथ मौके पर पहुंची तो कार्रवाई की उम्मीद जगी, लेकिन काफी देर तक कवायद के बाद भी निर्माण नहीं हटाया जा सका। आखिरकार जेसीबी और पुलिस बल के साथ टीम को वापस लौटना पड़ा।

शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में 1277 प्रविष्टियां संशोधित

अब 2829 मतदाता दर्ज, आठ नाम हटे और तीन नए नाम जुड़े

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली को अपडेट करने की प्रक्रिया में अंबेडकरनगर में 1277 प्रविष्टियों में संशोधन किया गया है। इसके अलावा तीन नए नाम जोड़े गए और आठ नाम हटाए गए हैं। संशोधन के बाद जिले की मतदाता सूची में अब कुल 2829 मतदाता दर्ज हैं।

निर्वाचक नामावली को शुद्ध और त्रुटिरहित बनाने को लेकर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक हुई। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ज्योत्स्ना बंधु की अध्यक्षता में हुई बैठक में राजनीतिक दलों, शिक्षक संगठनों, खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के एमएलसी और संबंधित अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में मतदाता सूची से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई।

हायक जिला निर्वाचन अधिकारी महेश चंद्र द्विवेदी ने बताया कि पूर्व की निर्वाचक नामावली में जिले में कुल 2834 मतदाता दर्ज थे। अद्यतन प्रक्रिया के दौरान आठ नामों का विलोपन और तीन नामों का परिवर्धन किया गया। वहीं 1277 मतदाताओं की प्रविष्टियों में आवश्यक संशोधन किए गए। इसके बाद कुल मतदाताओं की संख्या 2829 हो गई है।

बैठक में बताया गया कि निर्वाचक नामावली में नाम, पता, आयु या अन्य विवरण में गलती होने पर फार्म-8 के माध्यम से संशोधन कराया जा सकता है। दोहरे अथवा अपात्र नामों को हटाने के लिए फार्म-7 से आवेदन किया जा सकता है।

मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को निर्वाचक नामावली की प्रकाशन सूची उपलब्ध कराने समेत निर्वाचन से जुड़ी अन्य प्रक्रियाओं पर भी चर्चा हुई। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों और शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधियों से मतदाता सूची को शुद्ध और अद्यतन बनाने में सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र मतदाता नामावली में शामिल होने से वंचित न रहे।

35 नए प्राविधिक सहायक संभालेंगे किसानों की जिम्मेदारी

कृषि विभाग की योजनाओं का दिया प्रशिक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। किसानों तक कृषि विभाग की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए जिले में नियुक्त किए गए 35 नए प्राविधिक सहायक अब ब्लॉक और न्याय पंचायत स्तर पर काम करेंगे। सोमवार को कृषि भवन सभागार में नवनियुक्त प्राविधिक सहायक वर्ग-सी के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उप कृषि निदेशक अश्वनी कुमार सिंह ने सहायकों को विभागीय योजनाओं और कार्यप्रणाली की जानकारी दी।

जिले में प्राविधिक सहायक वर्ग-सी के कुल 40 पदों पर भर्ती हुई थी। इनमें 35 अभ्यर्थियों ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इनकी तैनाती ब्लॉक और न्याय पंचायत स्तर पर की गई है। इससे किसानों तक विभागीय योजनाओं और कृषि संबंधी जानकारी पहुंचाने में मदद मिलेगी। प्रशिक्षण में नए सहायकों को कृषि विभाग की प्रमुख योजनाओं की जानकारी दी गई। उन्हें किसानों को योजनाओं का लाभ दिलाने की प्रक्रिया और विभागीय कार्यों के संचालन के बारे में बताया गया। बीज वितरण, खाद पर मिलने वाली सब्सिडी, सिंचाई योजनाओं और फसल बीमा समेत विभिन्न योजनाओं पर प्रशिक्षण दिया गया।

उप कृषि निदेशक ने सहायकों को किसानों के बीच जाकर योजनाओं की जानकारी देने और पात्र किसानों को उनका लाभ दिलाने के निर्देश दिए। साथ ही विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन में अपनी भूमिका प्रभावी तरीके से निभाने पर जोर दिया गया।

निर्देश : जरूरत पड़ने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की तैयारी

घाघरा के बढ़ते जलस्तर से प्रशासन अलर्ट

तमसा संकेत, संवाददाता

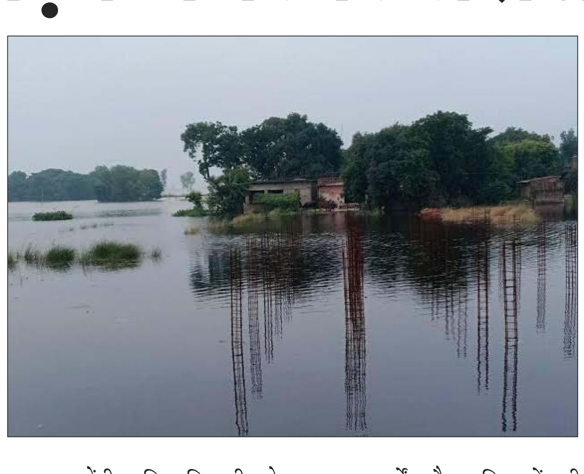

अंबेडकरनगर। घाघरा नदी का जलस्तर बढ़ने की प्रवृत्ति को देखते हुए प्रशासन ने टांडा और आलापुर तहसील में निगरानी बढ़ा दी है। संवेदनशील और तटवर्ती इलाकों पर लगातार नजर रखी जा रही है। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने संबंधित अधिकारियों को किसी भी स्थिति से निपटने के लिए राहत और बचाव की सभी तैयारियां दुरुस्त रखने के निर्देश दिए हैं।

राजस्व, पुलिस, स्वास्थ्य, पशुपालन और पंचायतीराज विभाग को आपसी समन्वय के साथ काम करने को कहा गया है। जलस्तर बढ़ने की स्थिति में प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की व्यवस्था तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन की टीमें संवेदनशील क्षेत्रों की स्थिति पर लगातार नजर रखेंगी। जिलाधिकारी ने तटवर्ती और निचले क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। लोगों से नदी, नालों, घाटों, पुलों और जलभराव वाले स्थानों के पास नहीं जाने को कहा गया है। बच्चों को ऐसे स्थानों से दूर रखने के साथ बुजुर्गों और महिलाओं की सुरक्षा पर भी ध्यान देने को कहा गया है।

तेज बहाव वाले पानी को पार करने का प्रयास नहीं करने और पशुओं को भी नदी या जलभराव वाले क्षेत्रों के आसपास नहीं ले जाने की अपील की गई है।

तटवर्ती इलाकों पर निगरानी तेज

टांडा और आलापुर तहसील में तैयारियां पूरी, जरूरत पड़ने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की तैयारी नदी-नालों और तेज बहाव वाले पानी से दूर रहने की अपील

अफवाहों से बचें, कंट्रोल रूम को दें सूचना

प्रशासन ने लोगों से सोशल मीडिया पर प्रसारित अपुष्ट सूचनाओं और अफवाहों पर भरोसा नहीं करने को कहा है। जलस्तर तथा राहत-बचाव से जुड़ी जानकारी के लिए प्रशासन की आधिकारिक सूचनाओं को ही आधार बनाने की अपील की गई है। किसी व्यक्ति के फंसे होने, जलभराव बढ़ने या किसी अन्य आपात स्थिति की सूचना तत्काल जिला आपदा कंट्रोल रूम को दी जा सकती है।

जयघोष के बीच निकली गौ चरावन मेले की शोभायात्रा

पलटू साहब मंदिर से रामलीला मैदान तक पहुंची यात्रा

तमसा संकेत, संवाददाता

कृष्ण-बलराम के स्वरूप में कलाकारों ने दिखाई गौ-चरावन की झलक मेले में उमड़ी भीड़

जलालपुर, अंबेडकरनगर। श्री रामलीला समिति की ओर से गौ-चरावन मेले की पारंपरिक शोभायात्रा निकाली गई। अध्यक्ष सुरेंद्र सोनी के नेतृत्व में निकली यात्रा पलटू साहब मंदिर से शुरू होकर रामलीला मैदान पहुंची। इसमें आकर्षक झांकियों के माध्यम से श्रीकृष्ण-बलराम और गौ-चरावन की झलक प्रस्तुत की गई। यात्रा के दौरान जय श्रीकृष्ण के जयघोष से नगर का माहौल गूंजता रहा। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्रीकृष्ण, बलराम और गौ माता की पूजा-अर्चना से हुई। समिति अध्यक्ष सुरेंद्र सोनी, पलटू साहब मंदिर के महंत राम प्रसाद दास, उपाध्यक्ष आनंद मिश्र, मेला मंत्री बेचन पांडे, मानिकचंद सोनी और विकास निषाद ने पूजन किया। महंत राम प्रसाद दास ने शोभायात्रा में नंद बाबा की भूमिका निभाई। पलटू साहब मंदिर से निकली शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए रामलीला मैदान पहुंची। कलाकारों ने श्रीकृष्ण और बलराम का स्वरूप धारण किया। झांकियों के जरिए गौ-चरावन की परंपरा को प्रस्तुत किया गया। शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं ने जयकारे लगाए। मेले में बच्चों के लिए जंपिंग झूला और खिलौनों के स्टॉल लगाए गए।

सम्पादकीय

जर्जर तंत्र

देश की राजधानी के सत्य निकेतन क्षेत्र में जिस तरह एक बहुमंजिला इमारत ढह गई, उसने उस तंत्र की पोल फिर से खोल दी, जो न तो जर्जर भवनों की निगरानी कर पा रहा है और न ही ऐसे भवनों में होने वाले निर्माण को रोक पा रहा है। सत्य निकेतन इलाके में जो जर्जर बहुमंजिला भवन गिरा, उसके बेसमेंट में काम चल रहा था। इसका अर्थ है कि कोई यह देखने वाला नहीं था कि बरसात के इस मौसम में एक जर्जर इमारत में निर्माण जोखिम भरा हो सकता है।

चूंकि इस भवन के पिलर के साथ नींव भी कमजोर थी, इसलिए वह नाजुक स्थिति में था। बरसात ने स्थिति और नाजुक कर दी। दिल्ली में ऐसे भवनों की कमी नहीं, जो जर्जर हालत में हैं और जिनमें नियमों के विरुद्ध काम भी होता रहता है। कुछ ही महीने पहले साकेत मेट्रो स्टेशन के निकट एक पांच मंजिला अवैध इमारत उस समय गिर गई थी, जब उसमें निर्माण हो रहा था। इसमें छह छात्रों की जान गई थी। सत्य निकेतन इलाके में गिरी इमारत में भी जनहानि हुई है। दुर्योग से यहां भी मरने और घायल होने वाले छात्र ही हैं, जो पेइंग गेस्ट के रूप में रह रहे थे।

दिल्ली में एक और जर्जर भवन गिरने के बाद शोक संवेदनाओं के साथ दोषी लोगों के खिलाफ कार्रवाई की बातें खूब सुनाई दे रही हैं। दिल्ली सरकार के मत्रियों के साथ नगर निगम के अधिकारी दोषी लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की बातें कर रहे हैं, लेकिन इस तरह के हादसों के बाद सदैव ही ऐसा सुनने को मिलता है और फिर पता चलता है कि एक और हादसा हो गया। दिल्ली में जर्जर भवन इसके बाद भी गिरते हैं कि नगर निगम समय-समय पर और खास तौर पर बरसात के पहले ऐसे भवनों का सर्वेक्षण करता है। कोई भी समझ सकता है कि ऐसे सर्वेक्षण महज खानापूरी होते हैं।

जर्जर भवनों के खड़े रहने या उनमें नया निर्माण कार्य होने देने के लिए जितना दोष शासन-प्रशासन का है, उतना ही लालची भवन स्वामियों का। भवन स्वामी नियमों के विरुद्ध जाकर निर्माण करने में इसलिए समर्थ रहते हैं, क्योंकि शासन इसके विरुद्ध सख्त नहीं और प्रशासन में भ्रष्ट तत्वों का बोलबाला है। आम तौर पर ये तत्व कुछ ले-देकर न केवल हर तरह का निर्माण होने देते हैं, बल्कि गिराए जा सकने वाले जर्जर भवनों की अनदेखी भी कर देते हैं। इसका नतीजा भवनों के ढहने और लोगों की मौतों के रूप में सामने आता है।

मानकों के खिलाफ और घटिया निर्माण दिल्ली ही नहीं, सारे देश की समस्या है। यह विचित्र है कि देश में अंग्रेजों और उसके पहले के भी शासकों की ओर से बनवाए गए भवन सही-सलामत हैं, लेकिन 30-40 वर्ष पुरानी इमारतें ढह जा रही हैं। यह शर्मनाक है कि जब समय के साथ भवनों का कहीं अधिक टिकाऊ और मजबूत निर्माण सुनिश्चित किया जाना चाहिए, तब उलटी गंगा बह रही है।

सत्य निकेतन हादसा: जिम्मेदार अधिकारियों पर हो ठोस कार्रवाई

> सरकारी भवन भी सुरक्षित नहीं तो आम आदमी किस पर भरोसा करे? मई 2024 में दिल्ली के आईटीओ स्थित सेंट्रल रेवेन्यू बिल्डिंग में आग लगी थी। 46 वर्षीय ऑफिस सुपरिंटेंडेंट की धुएं में दम घुटने से मृत्यु हुई थी।

दिल्ली के सत्य निकेतन में रविवार को पांच मंजिला छात्र-पीजी भवन का भरभराकर गिर जाना केवल एक दर्दनाक हादसा नहीं है। यह उस व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न है, जो भवन बनने देती है, उसमें अनधिकृत निर्माण होने देती है, उसमें विद्यार्थियों को रहने देती है, उसकी कमजोरियों को वर्षों तक नजरअंदाज करती है और फिर उसके ढह जाने के बाद जागती है। इस हादसे में अब तक छह लोगों की मौत की सूचना है और कई लोग घायल हुए हैं। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार भवन में बेसमेंट और कई ऊपरी मंजिलों में मरम्मत या निर्माण संबंधी काम चल रहा था। प्रशासन ने मजिस्ट्रेट जांच और भवन मालिक के खिलाफ एफआईआर के आदेश दिए हैं। लेकिन असली सवाल यह नहीं है कि हादसे के बाद किसके खिलाफ एफआईआर होगी? असली सवाल यह है कि हादसे से पहले जिम्मेदार अधिकारी कहां थे? यदि निर्माण नियमों का उल्लंघन था, यदि भवन का स्वीकृत नक्शा नहीं था, यदि अतिरिक्त मंजिलें बनाई गई थीं, यदि बेसमेंट में निर्माण चल रहा था, यदि भवन छात्रों के रहने के लिए इस्तेमाल हो रहा था और यदि वह संरचनात्मक रूप से जोखिमपूर्ण था, तो इन सबका पता प्रशासन को तब क्यों नहीं चला जब वहां निर्माण हो रहा था?

सत्य निकेतन दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर के आसपास विद्यार्थियों का प्रमुख इलाका है। देश के विभिन्न राज्यों से हजारों युवा यहां अपने भविष्य के सपने लेकर आते हैं। वे छोटे-छोटे कमरों, पीजी और किराये के मकानों में रहकर पढ़ते हैं। उनके माता-पिता अपनी जीवनभर की कमाई का बड़ा हिस्सा बच्चों की शिक्षा पर लगाते हैं और यह विश्वास करते हैं कि राजधानी में उनका बच्चा सुरक्षित रहेगा। लेकिन जब शिक्षा की तलाश में निकला युवा एक ऐसी इमारत में पहुंचता है, जिसकी नींव ही नियमों और सुरक्षा के साथ समझौते पर टिकी हो, तो विकास की हमारी पूरी अवधारणा कटघरे में खड़ी हो जाती है और यह कोई पहली चेतावनी नहीं है। 2022 में भी सत्य निकेतन में निर्माणाधीन चार मंजिला इमारत ढहने से दो मजदूरों की मौत हुई थी और चार लोग घायल हुए थे। उस समय भी निर्माण कार्य, सुरक्षा और भवन की निगरानी पर सवाल उठे थे। लगभग चार साल बाद उसी इलाके में फिर एक बड़ी इमारत ढह गई। इसका अर्थ है कि हमने घटना से सबक लेने के बजाय घटना को एक समाचार की तरह देखा और आगे बढ़ गए।

यहां भ्रष्टाचार की बात करते समय एक सावधानी भी जरूरी है। किसी अधिकारी या व्यवसायी को बिना जांच दोषी ठहराना उचित नहीं। लेकिन यदि जांच में यह सिद्ध होता है कि नियमों के विरुद्ध निर्माण को जानबूझकर नजरअंदाज किया गया, निरीक्षण में लापरवाही हुई या किसी प्रकार की मिलीभगत रही, तो जिम्मेदारी केवल भवन मालिक तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जिसने नियम तोड़े और जिसने नियम तोड़ने दिए-दोनों को जवाबदेह बनाना होगा। सत्य निकेतन की त्रासदी को जुलाई 2024 के पुराने राजेंद्र नगर हादसे से अलग करके नहीं देखा जा सकता। वहां राव आईएएस स्टडी सर्किल के बेसमेंट में पानी भर जाने से तीन सिविल सेवा अभ्यर्थियों-तनीया सोनी, श्रेया यादव और नवीन डालविन की मृत्यु हुई थी। सबसे भयावह तथ्य यह था कि बेसमेंट का उपयोग लाइब्रेरी के रूप में हो रहा था, जबकि उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार उसे पार्किंग और स्टोरेज के लिए इस्तेमाल किया जाना था। इससे भी अधिक चिंताजनक बात सामने आई-हादसे से लगभग एक महीने पहले एक विद्यार्थी ने एमसीडी में शिकायत की थी। भारत में भवन निर्माण के लिए नियमों की कमी नहीं है। नक्शा स्वीकृति, भवन उपविधियां, अग्नि सुरक्षा, संरचनात्मक सुरक्षा, अधिभोग प्रमाणपत्र, पार्किंग, बेसमेंट के उपयोग-हर क्षेत्र के लिए नियम हैं। लेकिन समस्या नियमों की संख्या नहीं, उनके पालन की ईमानदारी है। जब किसी भवन में एक मंजिल की अनुमति हो और चार-पांच मंजिलें खड़ी हो जाएं, जब बेसमेंट स्टोरेज के लिए स्वीकृत हो और वहां लाइब्रेरी या व्यावसायिक गतिविधि चलने लगे, जब सड़क की जलनिकासी बाधित हो और फिर भी निर्माण चलता रहे-तो सवाल केवल नागरिक की मनमानी का नहीं है। सवाल उस पूरी निगरानी व्यवस्था का है, जो आंखों के सामने होने वाले बदलाव को देखने के बावजूद समय पर कार्रवाई नहीं करती। भ्रष्टाचार केवल रिश्वत लेने का नाम नहीं है। भ्रष्टाचार वह भी है जब कोई जिम्मेदार व्यक्ति अपने कर्तव्य को जानबूझकर न निभाए। किसी अवैध निर्माण को देखकर आंखें बंद कर लेना भी व्यवस्था के प्रति अपराध है। किसी भवन को जोखिमपूर्ण जानते हुए कार्रवाई न करना भी भ्रष्ट प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा है। रिपोर्टों के अनुसार भवन पुराना था और उसमें आधुनिक फायर-स्प्रिंकलर व्यवस्था भी नहीं थी। यह घटना एक और सवाल सामने रखती है-जब सरकारी भवनों में भी सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त नहीं है, तो निजी और अनधिकृत भवनों की निगरानी की स्थिति क्या होगी? मुंबई, दिल्ली, चेन्नई, बेंगलुरु और देश के अन्य महानगरों में अनियोजित शहरी विस्तार लगातार बढ़ रहा है। जमीन सीमित है, जनसंख्या बढ़ रही है, किराये की मांग बढ़ रही है और व्यावसायिक हित अधिकतम जगह का अधिकतम उपयोग चाहते हैं। ऐसे में यदि शासन मजबूत नियमन और वैज्ञानिक शहरी नियोजन नहीं करेगा तो शहर ऊपर की ओर बढ़ेंगे, लेकिन उनकी सुरक्षा नीचे गिरती जाएगी। दुर्घटना के बाद वही परिचित दृश्य सामने आता है-मंत्री घटनास्थल पर पहुंचते हैं, अधिकारी बैठक करते हैं, मुआवजे की घोषणा होती है, जांच समिति बनती है, कुछ भवन सील होते हैं, कुछ गिरफ्तारियां होती हैं और कुछ दिनों तक प्रशासन सक्रिय दिखाई देता है। फिर धीरे-धीरे सब सामान्य हो जाता है। लेकिन किसी मृत विद्यार्थी के माता-पिता के लिए कुछ भी सामान्य नहीं होता। उनके लिए वह एक जांच समिति नहीं, जीवनभर का खालीपन है। उनके लिए मुआवजे की राशि उनके बेटे या बेटी का विकल्प नहीं है।

ललित गर्ग

अत्यधिक सोच

होता क्या हैं इसको मैं समस्या के सन्दर्भ में लें रहा हुँ वर्तमान परिप्रेक्ष्य में और उसका निदान क्या हो सकता हैं आदि यह चिन्तन में मानव बहुत बार ज़्यादा ही उलझ जाता हैं जिससे समाधान सामने होते हुए भी वह निर्णायक स्थिति में नहीं आ पाते हैं । कई बार समस्या लम्बे समय तक रह जाती है और निदानकर्ता समाधान में उसको अपने मान - सम्मान व स्वाभिमान आदि की सोच में अत्यधिक उलझे रहते हैं या सोचते ज़्यादा हैं और निदानकर्ता के बिना समाधान कूछ होना नहीं हैं । परिवार व प्रभावित पक्ष के रिश्तेदार आदि आपस में बात करते रहते हैं या बात से किनारा कर लेते हैं आदि लेकिन समाधान जानते हुए भी होने में सहयोगी नहीं बनते हैं । निदानकर्ता के बिना कूछ होना नहीं हैं या वो समाधान सामने समस्या में होते हुए भी वह देख समझ नहीं पाता अत्यधिक सोचता रहता हैं । जिसको हम अंग्रेजी में Overthinking Mode कहते हैं व इसको मैं मेरे चिन्तन से यह तथ्यहीन अविवेक का चिन्तन कहूँ तो अतिस्योक्ति नहीं होगी । यह स्थिति परिवार , समाज आदि में देखने को मिलती हैं जो की किसी के लियें हो हितकर नहीं हैं चिंतनीय हैं । अत्यधिक सोच को या बोझिल चिन्तन को छोड़ कर सोच सकारात्मक से सींचन करे हम सुलझ जाती हर किसीकी कैसी भी हो उलझन। सुख और दुःख धूप-छाया की तरह सदा इंसान के साथ रहते हैं । लंबी जिन्दगी में खट्ठे-मीठे पदार्थों के समान दोनों का स्वाद चखना होता है । सुख-दुःख के सह-अस्तित्व को आज तक कोई मिटा नहीं सका है । जीवन की प्रतिमा को सुन्दर और सुसज्जित बनाने में सुख और दुःख आभूषण के समान है इस स्थिति में सुख से प्यार और दुःख से घृणा की मनोवृत्ति ही अनेक समस्याओं का कारण बनती है और इसी से जीवन उलझनभरा प्रतीत होता है । जरूरत है हमें इन दोनो स्थितियों के बीच सही से संतुलन स्थापित करने की व सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की । एक दुखी आदमी अत्यधिक सोच वाला अपनी बात को बताकर सामने वाले से हाँ करवाने वाले आदमी की तलाश में रहता है।

› प्रदीप छाजेड़

इसलिए दो अलग ...

पंकज जायसवाल

जीडीपी का 7.8% सच, 2.6% का सवाल और 86 से 80 लाख करोड़ की कहानी

अभी कुछ दिन पहले जब वित्तीय वर्ष 26-27 के पहली तिमाही जीडीपी आंकड़े के साथ रियल जीडीपी 7.8 फीसदी की घोषणा सरकार के द्वारा की गई तो इसके आलोचना में पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग के बयान ने इसे काफी विवादित बना दिया। मैंने इसी विवाद के पार्श्व में क्या सच्चाई है, इसे समझने और समझाने दोनों की कोशिश की है. मैंने जीडीपी घोषणा के दिन सुभाष चंद्र गर्ग क्या कह गए और विवाद के बाद दिए अपने एक पॉडकास्ट इंटरव्यू में उन्होंने क्या कहा, उसको भी सुना। दरअसल जीडीपी घोषणा वाले दिन टीवी पर सुभास चंद्र गर्ग ने सरकार की मंशा पर सवाल उठा इस बात पर क्लेम किया कि सरकार ने चूँकि इस तिमाही का जीडीपी ग्रोथ ज्यादा दिखाना था, इसलिए पिछले वर्ष की पहली तिमाही का जीडीपी का डाटा 86.05 लाख करोड़ से घटाकर 80 लाख करोड़ कर दिया ताकि इस वित्त वर्ष के 88.27 लाख करोड़ से इसकी तुलना करें तो ग्रोथ ज्यादा दिखे। ऐसा कह के उन्होंने सरकार की मंशा पर ही सवाल खड़ा कर 7.8 के ग्रोथ को गलत बताते हुए नॉमिनल जीडीपी के ग्रोथ को १०.३ फीसदी की जगह 2.6 बताया। हालांकि पहली तिमाही वित्तीय वर्ष 2026-27 की रियल जीडीपी 81.36 लाख करोड़ और पहली तिमाही वित्तीय वर्ष 2025-26 की तुलनीय रियल जीडीपी 75.46 लाख करोड़ है। इससे रियल जीडीपी ग्रोथ 7.8 प्रतिशत निकलती है। हालाँकि इसके बाद दिए गए पॉडकास्ट इंटरव्यू में वे मंशा वाले सवाल से हट कर आंकड़ों की पारदर्शिता की बात करते दिखाई दिए और इस बात पर जोर दिया कि नॉमिनल जीडीपी का आंकड़ा 86.05 लाख से कैसे 80 लाख करोड़ पहुंचा, इसको सरकार को बताना चाहिए। श्री गर्ग के बयान के बाद मीडिया ने भी गलत तरीके से इसे पेश किया कि जीडीपी ग्रोथ 7.8 फीसदी नहीं, 2.6 फीसदी है जबकि उस दिन श्री गर्ग 2.6 फीसदी नॉमिनल जीडीपी आंकड़े के लिए कह रहे थे. रियल जीडीपी के आंकड़े तो उनके हिसाब से शून्य आ रहे थे. चूँकि श्री गर्ग वित्त सचिव थे तो मीडिया विपक्ष सबने इनके बयान को गंभीरता से लिया और देश में जीडीपी के आंकड़े को लेकर भ्रम पैदा हो गया. मैंने अपने अध्ययन में पाया कि पहले दिन टीवी में बोलते वक्त श्री गर्ग फंडामेंटली गलती कर गये. जब भी जीडीपी की नई सीरीज आती है उसकी विधि, उसके डाटा सोर्स, उसके डाटा बास्केट सब उन्नत हो जाते हैं. इसलिए दो अलग अलग बेस वर्ष के सीरीज के जीडीपी डाटा एक दूसरे के लिए तुलनीय नहीं होते और अगर तुलनीय बनाना ही है तो या तो दो वर्ष के जीडीपी डाटा को किसी एक सीरीज के हिसाब से समायोजित करना पड़ेगा। ऐसे में या तो आप वर्ष 26-27 के आंकड़े को जो आपने नई बेस सीरीज 22-23 के हिसाब से निकालिये और फिर पुराने 11-12 सीरीज के हिसाब से निकाले गए डाटा 86.05 लाख करोड़ से तुलना करिए या आप 26-27 के डाटा को 22-23 के नए सीरीज के विधि, बास्केट और डाटा सोर्स के हिसाब से ही रहना दीजिये और पुराने सीरीज से निकाले गए वित्तीय वर्ष 25-26 के डेटा को नई बेस सीरीज के विधि, डाटा सोर्स और डाटा बास्केट के हिसाब से समायोजित कर नए डाटा से तुलना योग्य डाटा निकालिये। और सरकार ने यही किया. पहली तिमाही वर्ष 25-26 के डाटा को तुलनीय बनाने के लिए नई बेस सीरीज के गणना विधि, डाटा सोर्स और डाटा बास्केट के हिसाब से समायोजित कर 80 लाख करोड़ का डाटा निकाला और फिर तुलना की । इसे मैं एक व्यावहारिक आंकड़े से समझाता हूँ. कुछ वर्ष पूर्व भारत में बड़ी कंपनियों के लिए नए एकाउंटिंग मानक लागू हुए. जब ये लागू हुए तो वर्तमान वर्ष के लाभ हानि और बैलेंस शीट तो इस नए एकाउंटिंग मानक के हिसाब से बन गए और ऑडिट हो गए. चूँकि कंपनियों को अपने बैलेंस शीट में वर्तमान वर्ष और पिछले वर्ष दो वर्ष का डाटा दिखाना होता है तो वहां दिक्कत आ रही थी क्यूंकि वर्तमान वर्ष का लाभ हानि और बैलेंस शीट नए लेखा मानक पर था और पिछले वर्ष का पूरा आंकड़ा पुराने लेखा मानक के हिसाब से था. इसलिए दोनों की तुलना बैलेंस शीट रीडर के लिए गलत हो जाता। ऐसे में यह रास्ता निकाला गया कि पिछले वर्ष के ऑडिटेड डाटा को भी नए लेखा मानक के हिसाब से ट्रांसलेट कर के ही बैलेंस शीट में दिखाए जाएँ ना कि पुराने आंकड़े को जस का तस. और ऐसा कर के कंपनियों ने अपने पिछले वर्ष के आकड़े को वर्तमान वर्ष के आकंड़े से तुलनीय बनाया। ऐसे में यह बहुत सामान्य है कि अगर दो वर्षों के डाटा में विधि, मानक, डाटा सोर्स या डाटा बास्केट बदला हुआ है तो दोनों में से किसी एक को तो समायोजित कर दोनों डाटा को एक मानक एक तराजू पर तो लाना ही पड़ेगा, तभी तुलना हो सकती है.

दृष्टिकोण को ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

स्वरोजगार से स्वावलंबन-जनपद मेरठ में युवा उद्यमिता और औद्योगिक आत्मनिर्भरता का नया क्षितिज

उत्तर प्रदेश के समकालीन आर्थिक परिदृश्य में आया गुणात्मक परिवर्तन राज्य की युवा शक्ति को उद्यमशीलता, स्वरोजगार और औद्योगिक आत्मनिर्भरता की मुख्यधारा से जोड़ने की सुविचारित प्रशासनिक रणनीति का प्रतिफल है। प्रदेश सरकार का स्पष्ट संकल्प है कि युवाओं को केवल आजीविका हेतु रोजगार तलाशने की विचारधारा से बाहर निकालकर उन्हें स्वावलंबी उद्यमी और रोजगार प्रदाता के रूप में तैयार किया जाए। इसके लिए अंतर्विभागीय समन्वय स्थापित करते हुए राज्य में एक पारदर्शी, सुरक्षित और नवाचार-अनुकूल औद्योगिक परिवेश का निर्माण किया गया है, जो युवाओं को स्थानीय स्तर पर नए अवसर प्रदान कर रहा है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश का औद्योगिक जनपद मेरठ इस नीतिगत रूपांतरण के एक प्रमुख और जीवंत केंद्र के रूप में उभरकर सामने आया है। जनपद मेरठ के जानी खुर्द विकास खंड स्थित अघेड़ा गांव के युवा उद्यमी भारत चौधरी की सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि युवा संकल्प को प्रदेश सरकार की नीतियों का संस्थागत संबल प्राप्त हो जाए, तो स्थानीय स्तर पर शुरू हुआ एक साधारण प्रयास भी वैश्विक पटल पर अमिट पहचान बना सकता है।

भारत चौधरी की व्यावसायिक यात्रा अपने प्रयासों के प्रति दृढ़ता की मिसाल है। वर्ष 2016 में इंटरमीडिएट की परीक्षा में सफल न होने पर उन्होंने पारंपरिक अकादमिक अध्ययन के स्थान पर व्यावहारिक स्वरोजगार का मार्ग अपनाने का निर्णय लिया। उनकी स्पष्ट सोच थी कि ऐसा कार्य आरंभ किया जाए, जिसमें बहुत अधिक कृषि भूमि अथवा अत्यधिक पूंजी निवेश की पूर्व-आवश्यकता न हो। उद्योग लगाने के प्रारंभिक दौर में उन्होंने कई छोटे व्यवसाय शुरू किए, जिनमें उन्हें कोई विशेष सफलता नहीं मिल सकी, किंतु उन्होंने अपने प्रयासों को विराम नहीं दिया। वर्ष 2018 में पारिवारिक जीवन में आए एक मोड़ ने उनके व्यावसायिक दृष्टिकोण को सर्वथा नवीन दिशा प्रदान की। अपनी अस्वस्थ माता को आयुर्वेदिक औषधि के साथ नियमित शहद का सेवन करते देखकर उनके मन में यह विचार आया कि शहद केवल सामान्य उपभोग की वस्तु नहीं, बल्कि एक बड़े कृषि-आधारित उद्यम का आधार बन सकता है। स्थानीय मांग और मौनपालन की संभावनाओं को देखते हुए उन्होंने औपचारिक कौशल प्राप्त करने का निर्णय लिया।

उद्यम की वैज्ञानिक बारीकियों को समझने के लिए उन्होंने सात दिवसीय सघन तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरांत, नवंबर 2018 में जिला प्रशासन के मार्गदर्शन और विभागीय सहयोग से उन्होंने मात्र दो मौनपालन पेटियों के साथ अपने कार्य का श्रीगणेश किया। आरंभिक चरण में साधन सीमित थे, किंतु मधुमक्खियों के संवर्धन, मौसमी चक्र, निष्कर्षण की शुद्धता और बाजार की वास्तविक आवश्यकताओं के प्रति उनकी लगन अत्यंत सुदृढ़ थी।

व्यवसाय की आधारशिला रखने के बाद उन्होंने अपने कार्यक्षेत्र को केवल स्वयं तक सीमित नहीं रखा, बल्कि स्थानीय ग्रामीण युवाओं को संगठित करना शुरू किया।

जरा हटके

सड़क एवं सेतु ...

अभिषेक सिंह

प्रदेश में निर्मित सड़को और पुलों से विकास पथ को मिली है सुदृढ़ कनेक्टिविटी

उत्तर प्रदेश केवल देश का सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य ही नहीं, बल्कि अपनी विशाल भौगोलिक सीमा, विविध सामाजिक संरचना, कृषि आधारित अर्थव्यवस्था, तेजी से बढ़ते औद्योगिक क्षेत्र और ऐतिहासिक-धार्मिक पर्यटन स्थलों के कारण देश के विकास मानचित्र पर अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। ऐसे विशाल और विविधतापूर्ण प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए मजबूत, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण आधारभूत संरचना अनिवार्य है। इस दृष्टि से सड़कें, पुल, फ्लाईओवर, रेलवे ओवरब्रिज, बाईपास और अन्य परिवहन सुविधाएं प्रदेश की विकास यात्रा की आधारशिला हैं। उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग और सेतु निगम इन परियोजनाओं को धरातल पर उतारते हुए प्रदेश में सुगम आवागमन, बेहतर कनेक्टिविटी और तेज आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। किसी भी राज्य की आर्थिक प्रगति का सीधा संबंध उसकी कनेक्टिविटी से होता है। बेहतर सड़कें और मजबूत पुल केवल दो स्थानों को जोड़ने का काम नहीं करते, बल्कि गांवों को बाजारों से, किसानों को मंडियों से, युवाओं को शिक्षा एवं रोजगार के अवसरों से तथा उद्योगों को आपूर्ति और बाजार की श्रृंखला से जोड़ते हैं। लोक निर्माण विभाग द्वारा राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़े मार्गों, राज्य राजमार्गों, प्रमुख जिला मार्गों और ग्रामीण संपर्क मार्गों के निर्माण, चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण एवं अनुरक्षण पर निरंतर कार्य किया जा रहा है। वहीं, सेतु निगम द्वारा नदियों, रेलवे लाइनों और व्यस्त यातायात वाले जंक्शनों पर आवश्यकतानुसार पुल, रेलवे ओवरब्रिज, फ्लाईओवर तथा अन्य महत्वपूर्ण सेतु परियोजनाओं का निर्माण किया जा रहा है। इन परियोजनाओं से यातायात की बाधाएं कम होती हैं, यात्रा का समय घटता है और दुर्घटनाओं की संभावनाओं को कम करने में सहायता मिलती है। इस प्रकार सड़क और सेतु विकास को एकीकृत रूप से आगे बढ़ाकर प्रदेश की परिवहन व्यवस्था को अधिक सक्षम बनाया जा रहा है।

सड़क एवं सेतु परियोजनाओं का प्रभाव केवल यातायात तक सीमित नहीं है। बेहतर कनेक्टिविटी आर्थिक गतिविधियों की गति को कई गुना बढ़ाने का माध्यम बनती है। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों के विस्तार से किसानों को अपनी उपज निकटवर्ती मंडियों और बड़े बाजारों तक पहुंचाने में सुविधा मिलती है। परिवहन लागत और समय में कमी से कृषि उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ती है तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है। इसी प्रकार औद्योगिक क्षेत्रों तक बेहतर सड़क संपर्क निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार होता है। कच्चे माल की आपूर्ति और तैयार उत्पादों की आवाजाही सुगम होने से उद्योगों की कार्यक्षमता बढ़ती है। यही कारण है कि सड़क और सेतु निर्माण को केवल निर्माण गतिविधि न मानकर प्रदेश के औद्योगिक, कृषि एवं सेवा क्षेत्र के विकास के महत्वपूर्ण आधार के रूप में देखा जा रहा है।पर्यटन की दृष्टि से भी बेहतर सड़क और पुल कनेक्टिविटी का विशेष महत्व है। अयोध्या, काशी, मथुरा-वृंदावन, प्रयागराज, कुशीनगर, चित्रकूट सहित प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों तक सुगम पहुंच से पर्यटकों की संख्या बढ़ने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार और व्यापार के अवसर भी बढ़ते हैं। आधुनिक तकनीक ने सड़क एवं सेतु निर्माण के क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन किया है। उत्तर प्रदेश में भी निर्माण कार्यों को अधिक गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए आधुनिक तकनीकों एवं डिजिटल मॉनिटरिंग प्रणालियों का उपयोग बढ़ाया जा रहा है। सड़क निर्माण में आधुनिक मशीनरी, उच्च क्षमता वाले रोड रोलर्स, हॉट मिक्स तकनीक और वैज्ञानिक स्तर निर्धारण जैसी व्यवस्थाओं से निर्माण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने पर जोर दिया जा रहा है। परियोजनाओं की निगरानी के लिए जीआईएस आधारित मैपिंग, ड्रोन सर्वेक्षण, डिजिटल प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग और ऑनलाइन प्रगति रिपोर्टिंग जैसी तकनीकों का उपयोग कार्यों की वास्तविक स्थिति का आकलन करने में सहायक बन रहा है। इससे अधिकारियों को समय रहते कमियों की पहचान करने और आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई करने में सुविधा मिलती है।ई-टेंडरिंग और ई-प्रोक्योरमेंट ने भी सरकारी निर्माण कार्यों में पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धा को मजबूत किया है। गुणवत्तापूर्ण कार्य के लिए तकनीकी क्षमता, वित्तीय अनुशासन और निर्धारित मानकों के पालन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सड़क और पुलों का निर्माण केवल समय पर पूरा करना पर्याप्त नहीं है। उनकी मजबूती, सुरक्षा और दीर्घकालिक उपयोगिता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। इसी उद्देश्य से निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की जांच, निर्धारित तकनीकी मानकों का अनुपालन तथा विभिन्न स्तरों पर निरीक्षण की व्यवस्था को प्राथमिकता दी जा रही है। सेतु परियोजनाओं में संरचनात्मक सुरक्षा, भार क्षमता, यातायात प्रबंधन और निर्माण की तकनीकी गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाता है। वहीं सड़कों में मजबूत बेस, बेहतर सतह, उचित जल निकासी और नियमित अनुरक्षण को प्राथमिकता दी जा रही है। स्वतंत्र अथवा थर्ड पार्टी निरीक्षण जैसी व्यवस्थाओं से गुणवत्ता परीक्षण को अधिक निष्पक्ष और प्रभावी बनाने का प्रयास किया जा रहा है। आधुनिक विकास की अवधारणा में पर्यावरण संरक्षण को अलग नहीं किया जा सकता। सड़क और सेतु परियोजनाओं के निर्माण में पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के लिए विभिन्न उपायों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। सड़क निर्माण में पुनर्चक्रित सामग्री और प्लास्टिक अपशिष्ट के उपयोग जैसी तकनीकें कचरे को उपयोगी संसाधन में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। सड़कों के किनारे वृक्षारोपण, हरित पट्टियों का विकास और वर्षा जल निकासी की वैज्ञानिक व्यवस्था भी टिकाऊ आधारभूत संरचना का हिस्सा हैं। बेहतर ड्रेनेज व्यवस्था न केवल जलभराव को कम करती है, बल्कि सड़क की संरचनात्मक आयु बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

09 से 24 सितंबर तक एसआईईटी, प्रयागराज में नौ बैचों में होगी टीओटी एवं एमटी कार्यशाला

बेटियों को नेतृत्व और सुरक्षा का मजबूत कवच

मजबूती

- मीना मंचों के 450 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित करेगी योगी सरकार
- क्रियान्वयन के लिए होगा क्षमता संवर्धन, प्रदेश के विभिन्न जनपदों से 450 प्रतिभागी होंगे शामिल, प्रत्येक जनपद से छह प्रतिभागी

मीना मंचों के सशक्तीकरण और नेतृत्व क्षमता विकास पर रहेगा विशेष जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार बेटियों को शिक्षा के साथ नेतृत्व, आत्मविश्वास और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए विद्यालय स्तर पर चल रहे कार्यक्रमों को संस्थागत मजबूती दे रही है। इसी नीति के अंतर्गत विशेष परियोजना फॉर इक्विटी के अंतर्गत मीना मंचों को बालिकाओं के सशक्तीकरण और नेतृत्व क्षमता विकास का प्रभावी माध्यम बनाने के लिए राज्य स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी के अनुसार एसआईईटी, प्रयागराज में 09 से 24 सितंबर तक नौ बैचों में कुल 450 प्रतिभागियों की ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स (टीओटी) एवं मास्टर ट्रेनर (एमटी) कार्यशाला होगी। कार्यशाला में मीना मंचों के सशक्तीकरण, नेतृत्व क्षमता प्रदान करने तथा यौन शोषण संबंधी प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रतिभागियों की क्षमता संवर्धित की जाएगी। इसी तरह पंचम बैच में महोबा, मैनपुरी, मथुरा, मऊ, मेरठ, मिर्जापुर, मुरादाबाद और मुजफ्फरनगर तथा षष्ठम बैच में पीलीभीत, प्रतापगढ़, रायबरेली, रामपुर, सहारनपुर, संभल, संत कबीर नगर और शाहजहांपुर से प्रतिभागी होंगे।

जारी दिशा निर्देश के अनुसार प्रथम एवं द्वितीय बैच की कार्यशाला 09 एवं 10 सितंबर, तृतीय एवं चतुर्थ बैच की 11 एवं 12 सितंबर, पंचम एवं षष्ठम बैच की 21 एवं 22 सितंबर, सप्तम एवं अष्टम बैच की 16 एवं 17 सितंबर तथा नवें बैच की कार्यशाला 23 एवं 24 सितंबर 2026 को होगी। प्रत्येक बैच में 50 प्रतिभागी शामिल होंगे और कुल 450 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

75 जनपदों से होगी सहभागिता

कार्यशाला में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से प्रतिभागी शामिल होंगे। प्रथम बैच में बदायूं, बुलंदशहर, चंदौली, चित्रकूट, देवरिया, एटा, इटावा, फैजाबाद और फर्रुखाबाद से छह-छह प्रतिभागी शामिल होंगे। द्वितीय बैच में फतेहपुर, फिरोजाबाद, गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, गाजीपुर, गोंडा, गोरखपुर और हमीरपुर से प्रतिभागी होंगे। तृतीय बैच में हापुड़, हरदोई, हाथरस, जालौन, जौनपुर, झांसी, कन्नौज और कानपुर देहात तथा चतुर्थ बैच में कासगंज, कौशाम्बी, कुशी नगर, कानपुर नगर, लखीमपुर खीरी, ललितपुर, लखनऊ और महराजगंज से प्रतिभागी शामिल होंगे।

योगी सरकार बालिकाओं को शिक्षा के साथ नेतृत्व, आत्मविश्वास और सुरक्षित वातावरण देने के लिए प्रतिबद्ध है। मीना मंच बालिकाओं के सशक्तीकरण और नेतृत्व विकास का प्रभावी माध्यम है। 450 प्रतिभागियों का प्रशिक्षण इस व्यवस्था को और मजबूत करेगा।

संदीप सिंह, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), बेसिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश

योगी सरकार में टेक्सटाइल सेक्टर को मिली नई ताकत

157 इकाइयों को 416.75 करोड़ की वित्तीय सहायता

तमसा संकेत, संवाददाता

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यूपी टेक्स-2026 का मंगलवार को करेंगे उद्घाटन
- यूपी टेक्स-2026: लखनऊ में 8 और 9 सितंबर को जुटेंगे देश के प्रतिष्ठित वस्त्र व्यवसायी और निर्माता
- अब तक 4,122 बुनकरों को 73.18 करोड़ की मदद, यूपी में हथकरघा-पावरलूम क्षेत्र को मिल रहा संबल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग क्षेत्र को नई पहचान और गति देने की दिशा में योगी सरकार का प्रयास लगातार प्रभावी परिणाम दे रहा है। इसी कड़ी में यूपी टेक्स-2026 का आयोजन 8 और 9 सितंबर 2026 को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर में किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसका उद्घाटन करेंगे, जिसमें देश के प्रतिष्ठित वस्त्र व्यवसायी एवं निर्माता हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम के जरिए प्रदेश के वस्त्र उद्योग की संभावनाओं, निवेश, उत्पादन और रोजगार के अवसरों को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है। हथकरघा और वस्त्रोद्योग विभाग योगी सरकार में लगातार उपलब्धियों की तरफ बढ़ रहा है। वर्ष 2017-18 से अब तक वस्त्रोद्योग क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने और रोजगार सृजन के उद्देश्य से 'उत्तर प्रदेश हैंडलूम, पावरलूम, सिल्क, टेक्सटाइल एवं गारमेंटिंग पॉलिसी-2017' तथा 'उत्तर प्रदेश टेक्सटाइल एवं गारमेंटिंग पॉलिसी-2022' लागू की गई हैं। इन नीतियों के तहत नई वस्त्र इकाइयों तथा विस्तार/विविधीकरण करने वाली इकाइयों को लाभ पहुंचाते हुए 214 इकाइयों के पक्ष में 'लेटर ऑफ कम्फर्ट' जारी किए गए हैं।

फास्ट न्यूज

मोहनलालगंज में हाइड्रा पलटने से मजदूर की मौत

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के धनवारा गांव में बीती रविवार सुबह पेड़ की भारी डाल उतारते समय हाइड्रा मशीन पलटने से उसकी चपेट में आए मजदूर की मौत के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। मृतक के पिता की तहरीर पर पुलिस ने ठेकेदारों समेत अन्य लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। धनवारा गांव के प्राथमिक विद्यालय के आसपास पिछले कुछ दिनों से पेड़ों की कटाई का काम चल रहा था।

लखनऊ में पंचायत प्रतिनिधियों ने घेरा डिप्टी सीएम आवास

लखनऊ। लखनऊ में सोमवार को पंचायत अधिकार संघ ने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के आवास का घेराव किया। प्रदेशभर से आए ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य, जिला पंचायत सदस्य और अन्य पंचायत प्रतिनिधियों ने करीब 2 घंटे तक आवास के बाहर प्रदर्शन किया। सभी पंचायत चुनाव जल्द कराने की मांग कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने गांव की सरकार नहीं तो विधानसभा की सरकार नहीं और पंचायत चुनाव जल्द करवाओ के नारे लगाए। डिप्टी सीएम से मुलाकात होने पर प्रदर्शनकारियों ने हाथ जोड़कर चुनाव की तारीख पूछी और जल्द चुनाव कराने की मांग रखी।

देश में लखनऊ की हवा सबसे साफ

लखनऊ। लखनऊ ने स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2026 में देश में पहला स्थान हासिल किया है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP) के तहत हुए सर्वे में लखनऊ को सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला शहर चुना गया। इसके लिए नगर निगम को 1.50 करोड़ रुपए का पुरस्कार मिला। जोन-4 के वार्ड नंबर-70 पेपर मिल कॉलोनी को भी देश का सबसे अच्छा वार्ड चुना गया है। 30 हजार से ज्यादा आबादी वाले वार्डों में इसे पहला स्थान मिला।

फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि बढ़कर हुई 10 सितंबर

कृषि मंत्री ने केसीसी धारकों को संतृप्त करने के दिए निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

- प्रदेश में तोरिया के निःशुल्क मिनीकिट व रबी फसलों के बीजों की बुकिंग जारी, कृषक पोर्टल पर करें बुकिंग
- अतिवृष्टि व बाढ़ से फसल नुकसान के पात्र आवेदनों का त्वरित सर्वेक्षण कर नियमानुसार क्षतिपूर्ति देने के आदेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कृषकों के हित में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन तेजी से कराया जा रहा है। इसी क्रम में प्रदेश में तोरिया के 30 हजार मिनीकिट का कृषकों को निःशुल्क वितरण कराये जाने का लक्ष्य रखा गया है। इस संबंध में प्रदेश के कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने प्रदेश के किसानों से अपील की है कि वे तोरिया के निःशुल्क मिनीकिट प्राप्त करने हेतु विभाग के पोर्टल (https://agriculture.up.gov.in) पर शीघ्र बुकिंग कर योजना का लाभ उठाएं। तोरिया के अतिरिक्त रबी विपणन वर्ष 2026-27 के लिए गेहूं के 10.45 लाख कुंतल, चना के 69.96 हजार कुंतल, मटर के 17.89 हजार कुंतल, मसूर के 41.76 हजार कुंतल तथा राई/सरसों के 15.94 हजार कुंतल की बुकिंग प्रक्रियाधीन है, जिसके लिए कृषकों से अधिकाधिक संख्या में बुकिंग कराने का आह्वान किया गया है। कृषि मंत्री की अध्यक्षता में कृषि भवन समीक्षा कक्ष में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना तथा किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना की समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

योगी सरकार विद्यार्थियों को स्वस्थ, सुरक्षित एवं तनावमुक्त शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध

मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए बनेगी एक समान नीति

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने सोमवार को लखनऊ स्थित अपने आवास पर उच्च शिक्षा संस्थानों में एक समान छात्र मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण नीति के संबंध में उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक में प्रस्तावित नीति के विभिन्न पहलुओं, इसके प्रभावी क्रियान्वयन और विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य एवं परामर्श संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराने की कार्ययोजना पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा एम. पी. अग्रवाल, विशेष सचिव निधि श्रीवास्तव सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

योगी सरकार उच्च शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण, आधुनिक और विद्यार्थी-केंद्रित बनाने के साथ-साथ विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता दे रही है। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को ऐसा शैक्षणिक वातावरण देना है, जहां वे शैक्षणिक दबाव, तनाव या भावनात्मक चुनौतियों की स्थिति में समय पर सहायता प्राप्त कर सकें।

प्रस्तावित नीति के तहत राज्य, जिला और संस्थान स्तर पर समन्वित व्यवस्था विकसित की जाएगी। राज्य स्तर पर निदेशक, उच्च शिक्षा को नोडल एवं कार्यान्वयन प्राधिकारी बनाया जाएगा, जबकि प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में संचालन समिति क्रियान्वयन, बजट और समीक्षा की निगरानी करेगी। जिला स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समिति विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के साथ समन्वय करेगी। नीति के तहत मानसिक स्वास्थ्य को समग्र व्यक्तित्व विकास से जोड़ा जाएगा। इसके लिए जागरूकता अभियान, कार्यशालाएं, खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियां, करियर काउंसलिंग और सोशल मीडिया के माध्यम से सकारात्मक वातावरण तैयार किया जाएगा। क्रियान्वयन और निगरानी के लिए उच्च शिक्षा विभाग में समेकित पोर्टल एवं डैशबोर्ड विकसित किया जाएगा।

प्रत्येक उच्च शिक्षा संस्थान में मानसिक स्वास्थ्य सहायता कक्ष की स्थापना की जाएगी, जहां विद्यार्थियों को गोपनीय वातावरण में परामर्श मिलेगा। ऑनलाइन मानसिक स्वास्थ्य पोर्टल के माध्यम से टेस्टिंग की व्यवस्था भी प्रस्तावित है। जरूरत पर विद्यार्थियों को परामर्शदाता, मनोवैज्ञानिक या विशेषज्ञ सेवाओं से जोड़ा जाएगा।

जीवन कौशल पर संवाद कार्यक्रम चलाएंगे

शिक्षकों, गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों और छात्र प्रतिनिधियों को तनाव, भावनात्मक परेशानी के संकेतों को समझने और सहायता पहुंचाने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षित शिक्षक छोटे समूहों में मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन और जीवन कौशल पर संवाद कार्यक्रम चलाएंगे। गंभीर तनाव या आपातकाल में तत्काल सहायता के लिए हेल्पलाइन और रेफरल व्यवस्था विकसित की जाएगी, जिसमें विद्यार्थी की गोपनीयता और गरिमा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

बिजली चोरी को लेकर 700 से ज्यादा प्राथमिकी दर्ज, हाई लॉस फीडरों में 21% तक कम हुआ घाटा

योगी सरकार में बिजली व्यवस्था में बड़ा सुधार

- बिजली चोरी पर शिकंजा, हाई लॉस फीडरों में सुधार से बढ़ी राजस्व वसूली
- एटीएंडसी हानि में भी बड़ी गिरावट, 31.19% से घटकर 17.83% पर पहुंची

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश की विद्युत व्यवस्था को मजबूत करने और बिजली वितरण में होने वाले नुकसान को कम करने के प्रयासों का असर आंकड़ों में साफ दिखाई दे रहा है। वर्ष 2020-21 में 20.63 प्रतिशत रही वितरण हानि वर्ष 2025-26 में घटकर 13.04 प्रतिशत रह गई। इसी अवधि में एटीएंडसी हानि भी 31.19 प्रतिशत से घटकर 17.83 प्रतिशत पर आ गई। कृषि फीडरों को छोड़कर प्रदेश में फीडरों की संख्या 18,351 से बढ़कर 21,463 हो गई है। इनमें लाभकारी फीडरों की संख्या 5,772 से बढ़कर 8,104 पहुंच गई। इसमें 2,332 अतिरिक्त फीडर लाभकारी श्रेणी में आए हैं। लाभकारी फीडरों की हिस्सेदारी भी 31 प्रतिशत से बढ़कर 38 प्रतिशत हो गई है। डिस्कॉमवार प्रदर्शन में पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम 53 प्रतिशत लाभकारी फीडरों के साथ प्रदेश में पहले स्थान पर रहा। केस्को 39 प्रतिशत, दक्षिणांचल और मध्यांचल 37-37 प्रतिशत तथा पूर्वांचल 22 प्रतिशत पर रहा। ये आंकड़े बताते हैं कि योगी सरकार के कार्यकाल में बिजली वितरण व्यवस्था को अधिक कुशल, जवाबदेह और आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में लगातार सुधार हुआ है।

वितरण हानि 20.63% से घटकर 13.04%

"अधिकारियों के अनुसार, यह सुधार योगी सरकार और यूपीपीसीएल अध्यक्ष के मार्गदर्शन और लगातार मॉनिटरिंग का परिणाम है। फीडर स्तर पर दैनिक समीक्षा, डेटा आधारित निगरानी और फील्ड अधिकारियों की जवाबदेही तय किए जाने से विद्युत विभाग में वित्तीय अनुशासन मजबूत हुआ है और राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

हाई लॉस फीडरों पर कार्रवाई का असर

तालबेहट टाउन-2 ललितपुर में एटीएंडसी हानि 63 प्रतिशत से घटकर 11 प्रतिशत, मणिकापुर सीरी कासगंज में 87 से 53 प्रतिशत और राल मथुरा में 83.62 से 47.82 प्रतिशत तक आ गई। आगरा, मथुरा, चित्रकूट, राठ और कोसी के टॉप-10 हाई लॉस फीडरों का घाटा 22.53 करोड़ से घटकर 17.89 करोड़ रुपये रह गया, जो करीब 21 प्रतिशत की कमी है। इन फीडरों पर बिजली चोरी को लेकर 700 से अधिक एफआईआर, 862 किलोवाट भार वृद्धि और 477 मीटर बाहर शिफ्टिंग की कार्रवाई की गई।

बदायूं में डंपर-टेंपो की भिड़ंत में तीन की मौत

7 लोग घायल, पति-पत्नी की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

बदायूं। बदायूं में सहसवान-बिसौली मार्ग पर सोमवार दोपहर एक डंपर और टेंपो की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। यह हादसा उघैती थाना क्षेत्र के खितौरा गांव के पास हुआ। इस हादसे में टेंपो में सवार दो महिलाओं और एक युवक की मौत हो गई, जबकि सात लोग घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार, डंपर (यूपी 38 एटी 0837) और टेंपो (यूपी 24 टी 3930) सहसवान से बिसौली की तरफ जा रहे थे। खितौरा के पास दोनों वाहनों की टक्कर हो गई। मृतकों की पहचान रूपवती पत्नी पप्पू (निवासी गाजीपुर, वसुंधरा एंक्लेव, मयूर विहार फेस-3, पूर्वी दिल्ली), ओमकार पुत्र रामचरण (47) और उनकी पत्नी शांति (45) (दोनों निवासी धरैरा, थाना उघैती) के रूप में हुई है।

हादसे में सात लोग घायल हुए हैं। इनमें परवीन (25), उनकी मां साईदन (50), आबिद पुत्र खुर्शीद खान, अयान (5) पुत्र सानू और संजीता पत्नी कल्लू (सभी निवासी शाहबाजपुर, थाना सहसवान) शामिल हैं। इनके अलावा, मोहरकली (30) निवासी कुदई, थाना जरीफनगर और नजमा पत्नी गुलशेर निवासी मजहबाग, थाना सहसवान भी घायल हुए हैं।

अभियान : जनपद न्यायाधीश मलखान सिंह ने न्यायालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार के लिए पीआरवी वाहन रवाना

- 12 सितंबर को होगी लोक अदालत
- तहसीलों और दूरदराज के क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को करेगा जागरूक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रीय लोक अदालत एवं राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान 3.0 को लेकर आम लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए सोमवार को लखनऊ में विशेष प्रचार अभियान शुरू किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से राष्ट्रीय लोक अदालत और मध्यस्थता अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए पीआरवी (पुलिस रिस्पांस व्हीकल) वाहन को रवाना किया गया।

जनपद न्यायालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष मलखान सिंह ने पीआरवी वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वाहन लखनऊ की विभिन्न तहसीलों, ब्लॉकों और दूरदराज के इलाकों में पहुंचकर लोगों को आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत और राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान के बारे में जानकारी देगा।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली, मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति, सर्वोच्च न्यायालय तथा उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश पर 12 सितंबर 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

अभियान का मुख्य उद्देश्य विवादों को लंबी कानूनी प्रक्रिया में ले जाने के बजाय पक्षकारों के बीच संवाद, सुलह और आपसी समझौते के माध्यम से उनका शीघ्र और स्थायी समाधान सुनिश्चित करना है।

तहसील और ब्लॉक स्तर तक पहुंचेगा प्रचार अभियान

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव कुँवर मित्रेश सिंह कुशवाहा ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत और राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान 3.0 की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से पीआरवी वाहन को रवाना किया गया है। उन्होंने बताया कि यह वाहन लखनऊ जिले की सभी तहसीलों और ब्लॉकों के अलावा दूरदराज के क्षेत्रों में जाकर लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत की तारीख, आयोजन और विवादों के समाधान की प्रक्रिया के संबंध में जागरूक करेगा। इसके जरिए लोगों को यह संदेश भी दिया जाएगा कि आपसी सहमति से विवादों का समाधान कर समय और धन दोनों की बचत की जा सकती है।

12 अरब 40 करोड़ की धनराशि की स्वीकृति

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026-2027 में विधान सभा के 403 मा० सदस्यों में से 397(06 स्थान रिक्त) हेतु रू0 250.00 लाख जी०एस०टी० सहित (रु० दो करोड़ पचास लाख मात्र, जी०एस०टी० सहित) प्रति मा० सदस्य की दर से कुल रू० 9,92.50.00 लाख जी०एस०टी० सहित (रुपये नौ अरब बानवे करोड़ पचास लाख मात्र, जी०एस०टी० सहित) तथा विधान परिषद के 100 गा० सदस्यों में से 99 (01 स्थान रिक्त) मा० सदस्यों हेतु रु० 250.00 लाख जी०एस०टी० सहित (रु० दो करोड़ पचास लाख मात्र, जी०एस०टी० सहित) प्रति मा० सदस्य की दर से धनराशि रू0 24750.00 लाख जी०एस०टी० सहित (रु० दो अरब सैतालीस करोड़ पचास लाख मात्र, जी०एस०टी० सहित) की धनराशि अर्थात विधान मण्डल के कुल 503 मा० सदस्यों में से 496 (397+99) मा० सदस्यों हेतु कुल धनराशि रु० 124000.00 लाख, जी०एस०टी० सहित (रु० बारह अरव चालीस करोड़ मात्र, जी०एस०टी० सहित) को द्वितीय किश्त के रूप में अवमुक्त किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इस सम्बन्ध में आवश्यक शासनादेश उत्तर प्रदेश शासन ग्राम्य विकास विभाग द्वारा जारी कर दिया गया है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा ग्राम्य विकास विभाग के सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए गये हैं कि स्वीकृत की गयी धनराशि का व्यय विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि के मार्गदर्शी सिद्धांतों में उल्लिखित व्यवस्था / प्राविधानों तथा इस निमित्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अनुसार ही किया जाय।

द्वितीय किस्त के रूप में प्रति मा0 सदस्य को विकास कार्यों हेतु रू0 2 करोड़ 50 लाख की धनराशि दी जा रही है, निधि से कराये जाने वाले कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने का दायित्व सम्बन्धित मुख्य विकास अधिकारी का होगा, विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि के तहत स्वीकृत धनराशि का व्यय विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि के मार्गदर्शी सिद्धांतों व जारी शासनादेशों के अनुसार ही किया जाय

30-मीटर तक बिखरीं लाशें, एक्सप्रेस-वे पर टक्कर से पलटी पिकअप, कई मीटर घिसटी, 19 घायल

बागपत में 13 श्रद्धालुओं की मौत

दुर्घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

बागपत। यूपी के बागपत में श्रद्धालुओं से भरी पिकअप टक्कर के बाद पलट गई। हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 7 पुरुष, 3 महिलाएं, 3 बच्चे हैं। 19 से ज्यादा श्रद्धालु घायल हैं। पिकअप में 32 श्रद्धालु सवार थे। ये राजस्थान के बागड़ धाम (गोगामेड़ी) से बदायूं लौट रहे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, रविवार देर रात करीब 1 बजे पिकअप को तेज रफ्तार कैंटर ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद पिकअप बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई। फिर घिसटते हुए सड़क के बीचों-बीच पलट गई।

ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर हुआ हादसा इतना भयावह था कि लाशें 30 मीटर दूर तक बिखर गईं। चीख-पुकार मच गई। धमाके जैसी आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना दी।

लोगों ने एक्सप्रेस-वे पर पड़े घायलों को सड़क किनारे किया। फिर पुलिस ने सभी को जिला अस्पताल पहुंचाया। हादसा जिला मुख्यालय से 15 किमी दूर खेकड़ा कोतवाली क्षेत्र में बसी और बड़ा गांव के बीच हुआ।

सीएम योगी ने हादसे में जनहानि पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं।

हादसे की जानकारी मिलते ही डीएम अस्मिता लाल और एसपी सूरज राय जिला अस्पताल पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने घायलों का हालचाल जाना और स्वास्थ्य कर्मियों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। मृतकों और घायलों के परिजनों को फोन के जरिए सूचना दे दी गई है। हादसे में मरने वालों में साधु (60), उसकी पत्नी मुन्नी देवी (55) और भाई प्रेम सिंह (40 की मौत हो गई। इसके अलावा गांव के ही सुगड़पाल (40), रामेश्वर यादव (60), जितेंद्र (7), प्रेमवती (50), दीक्षा (2), भानुमति (52), विकास (32), मूर्ति (35), सौरव (4) और 45 वर्षीय एक अज्ञात व्यक्ति शामिल हैं।

सपा नेता बोले- पीड़ित परिवारों को उचित आर्थिक सहायता दी जाए

सपा नेता पूर्व जिलाध्यक्ष बिल्लू प्रधान ने बताया कि सभी मृतक यादव परिवारों से हैं। सपा सांसद धर्मेंद्र यादव और आदित्य यादव ने फोन कर हादसे की जानकारी ली है। इसके बाद सपा के कार्यकर्ता और पदाधिकारी पीड़ित परिवारों से मिलने पहुंचे। उन्होंने कहा- घायलों को बेहतर उपचार मिलना चाहिए। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया जल्द पूरी कराई जानी चाहिए। साथ ही पीड़ित परिवारों को उचित आर्थिक सहायता दी जाए। मुश्किल घड़ी में सपा के सभी कार्यकर्ता पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं।

राजस्थान में दर्शन करने के बाद अपने घर बदायूं लौट रहे थे

हादसे में घायल कुंवरपाल ने बताया- हम सभी बदायूं के अल्लापुर चमारी गांव के रहने वाले थे। सभी बागड़ धाम से लौट रहे थे। रात के समय गाड़ी में सो रहे थे। अचानक तेज आवाज के साथ गाड़ी पलट गई। ड्राइवर ने बताया कि पीछे से आ रहे वाहन ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी है। बागड़ धाम यात्रा उत्तर भारत की प्रसिद्ध धार्मिक यात्रा है। श्रद्धालु राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में स्थित 'गोगामेड़ी' (बागड़ धाम) के लिए जाते हैं। यहां जाहरवीर बाबा गोगा जी महाराज (गोगा नाथ जी) का समाधि स्थल है। अगस्त-सितंबर में यहां लाखों श्रद्धालु उमड़ते हैं।

हादसे में इसकी गई जान

मुन्नी देवी, सुगड़पाल, साधु, रामेश्वर यादव, प्रेमसिंह

जितेंद्र, मृतक

फास्ट न्यूज

आगरा में मंदिर में घुसकर हनुमान मूर्ति को अपवित्र किया

आगरा । आगरा के थाना एत्माद्दौला क्षेत्र के कछपुरा में रविवार रात 40 साल पुराने मंदिर में दो युवकों पर देव मूर्तियों के साथ आपत्तिजनक कृत्य करने और उन्हें क्षतिग्रस्त करने का आरोप लगा है। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव फैल गया।

स्थानीय लोगों के अनुसार, दोपहर के समय दोनों युवक मंदिर में घुसे। आरोप है कि उन्होंने हनुमान जी की मूर्ति को अपवित्र किया।

रूस में कानपुर के इंजीनियर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कानपुर। रूस में वर्क वीजा पर काम करने गए इंजीनियर चंदन गुप्ता को पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने का मामला सामने आया है। मॉस्को में रह रही उनकी पत्नी स्नेहा गुप्ता ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से पति की मदद की गुहार लगाई है। स्नेहा ने आरोप लगाया है कि उनके पति को बिना किसी कारण के पुलिस अपने साथ ले गई और अब उन्हें जबरन रूसी सेना में भेजे जाने का डर है।

आगरा नगर निगम की लापरवाही से गई बुजुर्ग की जान

आगरा। आगरा में शुक्रवार रात जलभराव के दौरान खुले नाले में गिरने से बुजुर्ग ओम प्रकाश देवानी की मौत के बाद नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। केदार नगर निवासी ओम प्रकाश राजकमल इंटर कॉलेज के पास जलभराव के बीच साइकिल समेत खुले नाले में गिर गए थे। स्थानीय लोगों ने उन्हें बाहर निकाला, लेकिन कुछ देर बाद तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल ले जाते समय उनकी मौत हो गई।

सड़क के लिए जेन अल्फा ने दिया धरना

सरकारी स्कूल के 250 बच्चों का बारिश में प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

मिर्जापुर। मिर्जापुर में सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले जेन-अल्फा (13 साल तक के बच्चे) सोमवार सुबह 10 बजे सड़क बनवाने की मांग को लेकर प्रदर्शन करने लगे। बच्चों की मांग थी कि स्कूल तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क बनाई जाए। बड़ी मुश्किल से खेतों की मेड़ से होकर उन्हें स्कूल पहुंचना पड़ता है। बारिश के बीच स्कूल के बाहर भीगते हुए प्रदर्शन कर रहे बच्चों का हौसला देखकर अभिभावक और शिक्षक भी उनके साथ शामिल हो गए। गांव के लोगों ने तिरपाल का इंतजाम किया। उसे तानकर बच्चों के लिए छांव बनाई गई, जिसके नीचे वे धरने पर बैठ गए। करीब 2 घंटे चले इस धरने को नायब तहसीलदार और बीडीओ के सड़क निर्माण शुरू

कराने के आश्वासन के बाद समाप्त किया गया। मामला जिला मुख्यालय से करीब 8 किमी दूर सिटी ब्लॉक स्थित चेरूईराम कंपोजिट विद्यालय का है। यहां करीब 470 बच्चे पढ़ते हैं। स्कूल तक पहुंचने के लिए सड़क से उतरने के बाद करीब एक किलोमीटर की दूरी मेड़ के सहारे तय करनी पड़ती है। मेड़ की चौड़ाई करीब डेढ़ फीट है, इसलिए एक साथ दो बच्चे नहीं चल सकते।

अभिभावकों के अनुसार, बारिश के दिनों में बच्चों की परेशानी और बढ़ जाती है।

कानपुर में रोते हुए बोली- बंदिशें लगा रखी थीं, खर्च का पैसा भी नहीं देते थे

बहू ने नौकर से कराई करोड़पति ससुर की हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में करोड़पति दवा करोबारी विनीत मिनोचा (63) की हत्या उनकी 36 साल की इकलौती बहू ने कराई थी। वजह थी- बंदिशें...। विनीत बहू पर CCTV से नजर रखते थे। उसे पैसे भी उतने ही देते थे, जो जरूरी होते थे। देर रात घूमने और पार्टी करने वाली बहू ने नौकर विशाल (30) को 6 लाख में सुपारी दी, बदले में नौकर ने 26 बार चाकू से गोदकर विनीत को मार दिया।

हत्यारोपी नौकर के कबूलनामे के बाद पुलिस ने कारोबारी की बहू शालू को हिरासत में ले लिया है। पहले वह पुलिस को गुमराह करती रही। फिर सख्ती करने के बाद

उसने अपना जुर्म कबूल लिया। पूछताछ में बहू ने रोते हुए कहा- करोड़पति परिवार की बहू होने के बाद भी मेरे और पति के खर्च पर ससुर का पूरा नियंत्रण था। छोटे-छोटे खर्चों के लिए भी ससुर से पैसे मांगने पड़ते थे। पाई-पाई के लिए गिड़गिड़ाना पड़ता था। इसलिए नौकर से मर्डर करा दिया। पुलिस ने शालू की कॉल डिटेल भी निकालवाई है। पता कर रही है कि विशाल और शालू के बीच हत्या वाले दिन कितनी बार बात हुई। ये भी पता कर रही है कि इसमें पति सुब्रत का रोल है या नहीं। पुलिस ने उसे थाने में बैठा रखा है।

सीसीटीवी में नौकर और उसका साथी नजर आया, एनकाउंटर में अरेस्ट

कानपुर पुलिस ने CCTV चेक किए तो नौकर विशाल और उसका साथी राज किशोर (30) अपार्टमेंट में दाखिल होते और फ्लैट से बाहर निकलते नजर आए। पुलिस ने रविवार देर रात एनकाउंटर में दोनों को गिरफ्तार कर लिया। हत्यारोपी विशाल से जब मीडियाकर्मियों ने पूछा कि कारोबारी की हत्या क्यों की? जवाब में उसने कहा- 'बहू शालू के कहने पर हत्या की। उन्होंने पैसे देने के लिए कहा था।' नौकर के इस बयान के बाद हत्याकांड में नया मोड़ आ गया। पुलिस रातों रात शालू को पकड़कर थाने ले आई। पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल लिया।

लखीमपुर में धमाके के बाद आग लगी, ड्राइवर सीट से चिपका मिला, 3 की हालत गंभीर

ट्रांसफॉर्मर से टकराई कार 3 दोस्त जिंदा जले

तमसा संकेत, एजेंसी

लखीमपुर-खीरी । यूपी के लखीमपुर खीरी में ट्रांसफार्मर से टकराकर कार में आग लग गई। हादसे में कार सवार 3 दोस्त जिंदा जल गए। 3 झुलस गए। कार की टक्कर इतनी भीषण थी कि धमाके जैसी आवाज हुई।

बिजली के तार टूटकर कार पर गिरे और चिंगारी उठने लगी। देखते ही देखते कार में आग लग गई। सभी कार सवार अंदर ही फंस गए। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे।

थोड़ी देर में पुलिस और फायर ब्रिगेड टीम पहुंची। आग पर काबू पाया। तब तक आधी कार बुरी तरह से जल चुकी थी। ड्राइवर पूरी तरह जलकर सीट पर ही चिपक गया।

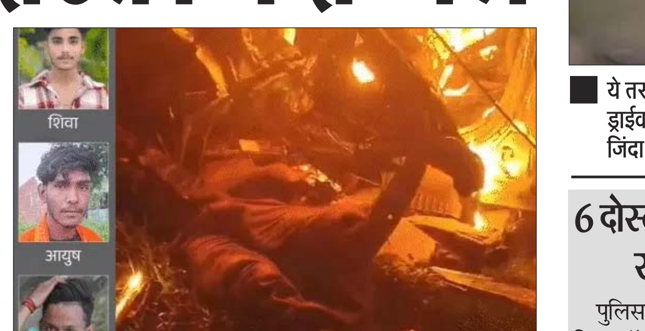

बाकी 5 लोग बुरी तरह झुलस गए। वह जैसे-तैसे बाहर निकले, लेकिन झुलसे होने की वजह से सड़क पर ही तड़पते रहे।

सभी को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने 2 और लोगों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि हादसा झपकी आने की वजह से हुआ। हालांकि, सही कारण जांच के बाद ही सामने आएगा। घटना जिला मुख्यालय से 8 किमी दूर खीरी थाना क्षेत्र के ओयल कस्बे में रात ढाई बजे हुई।

ये तस्वीर मृतक आयुष की है, जो कार ड्राइव कर रहा था, हादसे में आयुष की जिंदा जलकर मौत हो गई।

6 दोस्त वर्ना कार से सीतापुर जा रहे थे, रास्ते में हादसा

पुलिस के मुताबिक, कोतवाली सदर में शिव कॉलोनी निवासी आयुष कुमार वर्ना कार (UP14BV4127) से अपने 5 दोस्तों के साथ सीतापुर जा रहा था। रास्ते में ओयल कस्बे के पास उसकी कार बेकाबू हो गई। फुटपाथ क्रॉस कर नीचे खेत में उतरी और वहां रखे ट्रांसफॉर्मर से टकरा गई। हादसे में आयुष की मौके पर ही जलकर मौत हो गई। मौके पर पहुंचे चौकी प्रभारी डिंपल सिंह ने बिजली आपूर्ति बंद कराई और कार के शीशे तोड़कर अंदर फंसे लोगों को बाहर निकलवाया।

बाढ़ से फसल डूबी किसान ने जान दी खेत देखकर लौटा

फंदे से लटका, पांच बीघा धान और बाजरा बर्बाद हो गया था

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर के सचेंडी थाना क्षेत्र के बिनौर गांव में बाढ़ से फसल बर्बाद होने से परेशान किसान ने फंदे से लटककर जान दे दी। किसान ने कर्ज लेकर बलघट में करीब 5 बीघा खेत लिया था, जिसमें धान और बाजरा की फसल बोई थी।

पिछले दिनों हुई बेमौसम बारिश के बाद नून नदी में आई बाढ़ से खेत में पानी भर गया और पूरी फसल जलमग्न हो गई। रविवार को खेत पर फसल की स्थिति देखने पहुंचे किसान ने बर्बाद फसल देखी। इसके बाद वह घर लौटा और अपने कमरे में चला गया, जहां देर शाम उसका शव फंदे से लटका मिला।

घटना के बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची

पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बिनौर गांव निवासी कुलदीप सिंह (26) के पिता की कुछ साल पहले बीमारी से मौत हो चुकी है। परिवार में मां शैल कुमारी और चार भाई राकेश, धीरेन्द्र, रावेन्द्र और अरुण हैं।

छोटे भाई अरुण ने बताया कि कुलदीप ने गांव के ही एक किसान से बलघट में करीब 5 बीघा जमीन खेती के लिए ली थी। इसके लिए उसने कर्ज लिया था। इसी खेत में धान और बाजरा की फसल बोई गई थी।

परिजनों के मुताबिक, बेमौसम बारिश के बाद नून नदी में बाढ़ आ गई। पानी खेतों में भरने से कुलदीप की पूरी फसल बर्बाद हो गई। फसल खराब होने के बाद उसे कर्ज चुकाने की चिंता सताने लगी थी और वह लगातार परेशान चल रहा था। रविवार दोपहर वह खेत पर पहुंचा तो वहां फसल पूरी तरह बर्बाद मिली। इसके बाद वह घर लौट आया और किसी से ज्यादा बातचीत किए बिना अपने कमरे में चला गया।

परिजनों ने बताया कि काफी देर तक कमरे से कोई आवाज नहीं आई तो मां शैल कुमारी बेटे को देखने पहुंचीं।

पृष्ठ 01 का शेष...

'शिक्षक समाज के...

स्वर्ण भारत ट्रस्ट का ब्रिज स्कूल और उत्तर प्रदेश के अटल आवासीय विद्यालय अलग राज्यों में होने के बावजूद समान सोच के साथ वंचित बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा लक्ष्य ऐसी नई पीढ़ी तैयार करना है, जो ग्लोबल भी हो और रूटेड भी, आधुनिक तकनीक से लैस हो, लेकिन हृदय में भारत, संस्कृति पर गर्व, अपनी जड़ों का बोध, समाज के प्रति संवेदनशीलता और 'नेशन फर्स्ट' की भावना रखती हो। तकनीक भेदभाव नहीं करती और नए भारत ने गांव की ताकत को नई तकनीक से जोड़ दिया है। सीएम ने वेंकैया नायडू को उत्तर व दक्षिण भारत के बीच सांस्कृतिक व आध्यात्मिक सेतु बताया। मुख्यमंत्री ने स्वर्ण भारत ट्रस्ट के 25 वर्ष पूर्ण होने पर सभी पदाधिकारियों, सदस्यों और शुभचिंतकों को बधाई दी। साथ ही ट्रस्ट के संस्थापक एवं पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू का हृदय से अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि वेंकैया नायडू जी बहुआयामी व अत्यंत संवेदनशील व्यक्तित्व के धनी हैं। सार्वजनिक जीवन में उन्होंने अपनी सरलता, सहजता और सभी को साथ लेकर चलने की क्षमता के बल पर पूरे देश में अपनी अलग पहचान बनाई। सार्वजनिक जीवन में ऐसा विराट व्यक्तित्व मिलना दुर्लभ है, जो दल और विचारधारा की सीमाओं से ऊपर उठकर सभी को समान रूप से साथ लेकर चले और जिसकी सर्वत्र स्वीकार्यता हो। राज्यसभा सभापति के रूप में दायित्वों के निर्वहन में यही व्यापक स्वीकार्यता दिखाई देती थी। उनका योगदान राजनीति तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने तेलुगु संस्कृति, खान-पान और वेश-भूषा को देश के दूसरे हिस्सों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जनपद में कोई न कोई पारंपरिक हुनर मौजूद है। वाराणसी की साड़ी, भदोही का कालीन, मुरादाबाद का पीतल, फिरोजाबाद का कांच, कन्नौज का इत्र और लखनऊ की चिकनकारी इसकी मिसाल हैं। पीढ़ियों से इस हुनर को आगे बढ़ाने वाले कारीगरों के पास आधुनिक डिजाइन, पूंजी और बाजार की कमी थी। इसी को ध्यान में रखते हुए हमने 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' योजना शुरू की। हर जिले के एक प्रमुख उत्पाद को चिन्हित कर उसके कारीगरों को डिजाइन प्रशिक्षण, आधुनिक टूल किट, आसान बैंक ऋण तथा मार्केटिंग और एक्सपोर्ट का मंच उपलब्ध कराया गया। 'विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना' के तहत पारंपरिक कारीगरों को प्रशिक्षण और टूल किट दिए गए। इसका परिणाम है कि इनका हुनर निर्यात तक पहुंच रहा है और उत्तर प्रदेश देश के प्रमुख निर्यातक राज्यों में शामिल हो गया है। हमने कारीगर को नया हुनर नहीं सिखाया, बल्कि उसके पुराने हुनर को नया बाजार उपलब्ध कराया है।

भारत की सभ्यता की ...

इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए वेंकैया नायडू जी ने 2001 में अपने आठ साथियों के साथ स्वर्ण भारत ट्रस्ट की शुरुआत की थी। ट्रस्ट ने स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर दंत एवं नेत्र चिकित्सा, पशु चिकित्सा से लेकर किसान प्रशिक्षण, महिला प्रशिक्षण से लेकर व्यावसायिक शिक्षा और कंप्यूटर प्रशिक्षण से लेकर विद्यालयों एवं ब्रिज स्कूलों तक विभिन्न क्षेत्रों में अत्यंत सराहनीय कार्य किया है।

स्पेस एजेंसी सरकारी ...

उनके मुताबिक, इन सुधारों के तहत ISRO को प्राइवेट सेक्टर और स्टार्टअप कंपनियों को सहयोग देना और देश के स्पेस इकोसिस्टम को बढ़ाना है।

हर साल 50 लॉन्च व्हीकल का लक्ष्यः भारत की बढ़ती अंतरिक्ष जरूरतों पर नारायणन ने कहा, देश की जरूरत हर साल करीब 50 लॉन्च व्हीकल की है। हमें आगे बढ़ना होगा। 43 साल पहले जब वे ISRO में आए थे, तब 3 साल में एक लॉन्च होता था।

ISRO के नौ कर्मचारी संगठनों ने स्पेस एजेंसी के चेयरपर्सन वी. नारायणन को पत्र लिखकर प्राइवेटाइजेशन पर स्पष्टीकरण मांगा था। यह लेटर 4 सितंबर को लिखा गया। जानकारी रविवार को सामने आई थी।

कर्मचारी संगठनों ने कहा कि सरकारी संस्थानों में निजी कंपनियों की भागीदारी हो सकती है, लेकिन ISRO मजबूत संगठन बना रहना चाहिए। इसे केवल सीमित रिसर्च एंड डेवलपमेंट (R&D) संस्था तक सीमित न कर दिया जाए।

36 हजार फीट पर...

एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि ऑयल की मात्रा घटने के बाद ही क्रू ने अबु धाबी जाने की बजाय कोच्चि जाने का फैसला किया। कमांडर ने पहले इसकी जानकारी मुंबई ATC को दी और बताया कि विमान कोच्चि लौट रहा है।

दो इंजन वाला कोई भी विमान इमरजेंसी में एक इंजन से भी उड़ सकता है। सिर्फ उसकी ताकत और ऊंचाई पर जाने की क्षमता कम हो जाती है। पायलट उसे एक ही इंजन से ऐसे एयरपोर्ट की ओर ले जाता है, जहां सुरक्षित लैंडिंग की जा सके। हर विमान के लिए एक अधिकतम लैंडिंग वजन तय होता है। सामान्य स्थिति में विमान को इससे ज्यादा वजन के साथ नहीं उतारा जाता। लेकिन इमरजेंसी में अगर तय सीमा से ज्यादा वजन के साथ उतारना पड़े, तो इसे ओवरवेट लैंडिंग कहते हैं।

विमान का वजन ज्यादा होने पर लैंडिंग स्पीड और लैंडिंग एनर्जी बढ़ सकती है। इससे ब्रेक और रनवे पर ज्यादा दबाव पड़ सकता है। ज्यादा लंबे रनवे की जरूरत हो सकती है।

लैंडिंग कितनी मुश्किल होगी, यह विमान की गति, रनवे की हालत, हवा की गति और ढलान पर भी निर्भर करता है। इसलिए ओवरवेट लैंडिंग के बाद विमान की जांच की जा सकती है कि उसे कोई नुकसान तो नहीं हुआ।

अब इसे ऐसे समझेंः कोच्चि से अबू धाबी की हवाई दूरी करीब 2,800 किमी है। उड़ान में करीब 4 घंटे लगते हैं। विमान ने करीब 50 मिनट बाद 36 हजार फीट की ऊंचाई पर तकनीकी खराबी की वजह से लौटने का फैसला किया।

'अपमानजनक भाषा ...

पुलिस का काम सिर्फ आरोपियों को गिरफ्तार करना नहीं, बल्कि राज्य के विकास की नींव मजबूत करना भी है।

उन्होंने आगे कहा कि जो लोग कानून का पालन करते हैं, उनके लिए पुलिस दोस्त है और जो कानून नहीं मानते, उनके लिए पुलिस दुश्मन है। राजनीतिक नेताओं और अधिकारियों को पुलिस के काम में दखल नहीं देना चाहिए।

4 मई को तमिलनाडु विधानसभा के रिजल्ट आए थे। TVK ने 234 में से 108 सीटें जीती थीं। उस दिन तृषा का बर्थडे था। रिजल्ट आने से पहले वो तिरुमाला मंदिर पहुंचीं, दर्शन किए और फिर विजय के घर पहुंचीं।

विजय और तृषा की केमिस्ट्री काफी चर्चा में रही है। दोनों करीब 5 फिल्मों में साथ नजर आए हैं, जिनमें से 2023 में रिलीज सुपरहिट फिल्म लियो भी शामिल है। यह वही वक्त था जब विजय की पत्नी संगीता सोर्नालिंगम तलाक के लिए कोर्ट में लड़ाई लड़ रही थीं। हालांकि, उन्होंने केस वापस ले लिया है।

उदयनिधि से पुलिस...

बाहर आकर उन्होंने कहा कि विजय की पुलिस ने मेरे साथ आतंकवादी जैसा सुलूक किया। मैंने किसी महिला का अपमान करने की कोशिश नहीं की।

हॉस्टल हादसे के ...

हादसे में अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है। 12 लोगों को बचाया गया है। इनमें 5 की हालत गंभीर है। रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा हो चुका है।

हॉस्टल हादसा दिल्ली यूनिवर्सिटी के साउथ कैंपस के पास सत्य निकेतन में रविवार दोपहर करीब 1:30 बजे हुआ। हॉस्टल 5 मंजिला इमारत में था, जो करीब 40 साल पुरानी थी। दिल्ली नगर निगम (MCD) के रिकॉर्ड में इस इमारत को खतरनाक घोषित नहीं किया गया था। सत्य निकेतन इमारत हादसा मामले में दिल्ली पुलिस ने बिल्डिंग मालिक हरिराम, उनकी पत्नी उर्मिला और बेटे महेश को गिरफ्तार किया है।

दलीप ट्रॉफी फाइनल में ईस्ट जोन का स्कोर 550 पार ■ कुमार कुशाग्र का शतक

ईशान किशन दोहरा शतक लगाकर नाबाद

मुकाबला

नपई दिल्ली, एजेंसी

दलीप ट्रॉफी फाइनल में ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन ने दोहरा शतक लगाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है। चेन्नई में साउथ जोन के खिलाफ खेले जा रहे मुकाबले में ईस्ट जोन ने 5 विकेट पर 550 से ज्यादा रन बना लिए हैं। ईशान 200 से ज्यादा रन बनाकर नाबाद हैं। ईशान ने 270 गेंदों में दोहरा शतक ठोका। इस दौरान उन्होंने 26 चौके और 2 छक्के लगाए। ईशान ने 10 सालों के बाद फर्स्ट क्लास क्रिकेट में ये कमाल किया है। इससे पहले उन्होंने साल 2016 में पहला दोहरा शतक लगाया था। ये उनके फर्स्ट क्लास करियर का पहला शतक भी था। इस खिलाड़ी ने दिल्ली के खिलाफ 273 रनों की पारी खेली थी। ईशान किशन अबतक फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 10 शतक लगा चुके हैं।साउथ जोन की ओर से चामा मिलिंद और त्रिपुराना विजय ने 2-2 विकेट लिए हैं। अभिमन्यु ईश्वरन रन आउट हुए। हालांकि, मोहम्मद सिराज समेत साउथ जोन के गेंदबाज ईस्ट जोन के बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाने में नाकाम रहे हैं। सिराज ने 17 ओवर में 109 रन दिए और उन्हें अब तक कोई विकेट नहीं मिला है।

वैभव सूर्यवंशी ने 44 रन बनाए

ईस्ट जोन ने रविवार को पहले दिन टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। टीम की शुरुआत भी अच्छी रही थी। वैभव सूर्यवंशी ने 37 गेंदों पर 44 रन बनाए, जबकि अभिमन्यु ईश्वरन ने 72 और शिखर मोहन ने 85 रन की पारियां खेलीं। सूर्यवंशी और ईश्वरन ने पहले विकेट के लिए 100 रन जोड़े थे। इसके बाद ईशान ने पारी को संभाला और टीम को बड़े स्कोर की ओर पहुंचाया।

कुमार कुशाग्र ने 101 रन बनाए

कुमार कुशाग्र ने ईस्ट जोन के लिए शतकीय पारी खेली। उन्होंने 132 गेंदों पर 101 रन बनाए, जिसमें 8 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। कुशाग्र 101 रन के स्कोर पर चामा मिलिंद की गेंद पर त्रिपुराना विजय के हाथों कैच आउट हुए।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

ईस्ट जोन: अभिमन्यु ईश्वरन, वैभव सूर्यवंशी, कुमार कुशाग्र, सुदीप कुमार घरामी, शिखर मोहन, ईशान किशन (विकेटकीपर/कप्तान), एमडी कौनैन कुरैशी, अनुकूल रॉय, मोहम्मद शमी, अभिजीत के सरकार, मुकेश कुमार।

साउथ जोन: रिकी भुई, नारायण जगदीसन (विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल, शेख रशीद, तिलक वर्मा (कप्तान), स्मरण रविचंद्रन, श्रेयस गोपाल, त्रिपुराना विजय, मोहम्मद सिराज, चामा वी मिलिंद, एमडी निधिश।

भारत 20 साल बाद एएफसी यू20 एशियन कप में पहुंचा

सीरिया की हार से मिली टूर्नामेंट में जगह

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय अंडर-20 फुटबॉल टीम ने 20 साल के लंबे इंतजार के बाद AFC U-20 एशियन कप के मेन टूर्नामेंट में जगह बना ली है। भारत ने रविवार को ताशकंद में खेले गए ग्रुप-B के आखिरी क्वालिफायर में बांग्लादेश को 3-0 से हराया।

इसके बाद उज्बेकिस्तान ने सीरिया को भी 3-0 से मात दी, जिससे भारत 6 पॉइंट्स के साथ ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहते हुए क्वालिफाई कर गया। भारत ने आखिरी बार 2006 में इस टूर्नामेंट के मेन स्टेज में हिस्सा लिया था।

भारत ने क्वालिफाइंग राउंड में तीन मुकाबले खेले। टीम ने पहला मैच सीरिया के खिलाफ 1-0 से जीता था। इसके बाद उज्बेकिस्तान के खिलाफ उसे 0-4 से हार मिली।

बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी मैच भारत के लिए करो या मरो जैसा था। जीत के साथ टीम के खाते में 6 अंक पहुंचे, लेकिन ग्रुप से क्वालिफिकेशन तभी पक्का होना था जब सीरिया, उज्बेकिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज न करे।

भारत की जीत के बाद सभी की नजर सीरिया और उज्बेकिस्तान के मुकाबले पर थी। उज्बेकिस्तान ने सीरिया को 3-0 से हरा दिया।

इस नतीजे के बाद उज्बेकिस्तान 9 अंक के साथ ग्रुप-B में पहले स्थान पर रहा। भारत 6 अंक के साथ दूसरे, सीरिया 3 अंक के साथ तीसरे और बांग्लादेश बिना अंक के चौथे स्थान पर रहा।

कार्लोस अल्काराज यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

टॉमी पॉल को हराया, अब बेन शेल्टन से भिड़ेंगे सबालेंका भी अगले राउंड में

नई दिल्ली, एजेंसी

डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने न्यूयॉर्क में खेले जा रहे US ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। वहीं, आर्यना सबालेंका भी अगले राउंड में पहुंच गई है।

मेंस सिंगल्स में अल्काराज ने अमेरिका के टॉमी पॉल को 6-4, 6-3, 6-4 से हराया। इस जीत के साथ उनकी ग्रैंड स्लैम में लगातार 18 मैच जीतने की लय बरकरार रही। टूर्नामेंट में अब तक उन्होंने सिर्फ एक सेट गंवाया है।

अल्काराज दाहिनी कलाई की चोट के कारण करीब चार महीने कोर्ट से दूर रहने के बाद लौटे है।अब क्वार्टर फाइनल में अल्काराज का सामना अमेरिका के 8वीं सीड बेन शेल्टन से होगा। शेल्टन ने स्टेफानोस सिटसिपास को 6-2, 6-3, 6-4 से हराकर अंतिम-8 में जगह बनाई।

विमेंस सिंगल्स में सबालेंका ने अमेरिका की टेलर टाउनसेंड को 6-4, 6-3 से मात दी। सबालेंका ने पहला सेट 6-4 से जीता। दूसरे सेट में 1-3 से पिछड़ने के बाद उन्होंने लगातार पांच गेम जीते और मैच अपने नाम किया। इस जीत के साथ सबालेंका लगातार छठी बार US ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची हैं। अब उनका सामना छठी सीड और मौजूदा विंबलडन चैंपियन लिंडा नोस्कोवा से होगा। नोस्कोवा ने मार्ता कोस्ट्युक को 7-5, 5-7, 6-4 से हराया।

पाकिस्तान क्रिकेट वेंटिलेटर पर : शोएब अख्तर

मौजूदा टीम से कोई उम्मीद नहीं, मिस्बाह ने भी सिस्टम पर सवाल उठाए

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान क्रिकेट 'वेंटिलेटर पर' है और मौजूदा टीम से कोई उम्मीद नहीं बची है। इंग्लैंड दौरे पर लगातार खराब प्रदर्शन के बीच पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने PCB और टीम की मौजूदा स्थिति पर तीखी टिप्पणी की है।

वहीं, पूर्व कप्तान मिस्बाह-उल-हक ने स्थानीय और विदेशी कोचों के साथ अलग-अलग व्यवहार किए जाने पर सवाल उठाते हुए सिस्टम पर निशाना साधा है। इंग्लैंड तीन टेस्ट की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना चुका है और तीसरा मुकाबला बाकी है।

शोएब अख्तर ने 'आउटसाइड एज' शो में कहा, टीम को दोबारा मजबूत स्थिति में आने में करीब दो साल लग सकते हैं। अख्तर ने कहा कि PCB मौजूदा टीम के प्रदर्शन से निराश है और अब उसकी उम्मीदें अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों से हैं। उनका मानना है कि ऐसे क्रिकेटरों को तैयार करने की जरूरत है जो लंबे समय तक पाकिस्तान के लिए खेलें।

पूर्व तेज गेंदबाज ने शाहीन शाह अफरीदी, नसीम शाह और हारिस रऊफ को लेकर अलग से सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इन तीनों के करियर में अभी काफी क्रिकेट बाकी है, इसलिए उनके वर्कलोड और फिटनेस का ध्यान रखा जाना चाहिए।

हाल ही में राष्ट्रीय चयनकर्ता पद से हटे पूर्व टेस्ट कप्तान मिस्बाह-उल-हक ने पाकिस्तान क्रिकेट सिस्टम में कोचों के साथ होने वाले व्यवहार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय कोचों को विदेशी कोचों की तुलना में ज्यादा जांच और आलोचना का सामना करना पड़ता है।

मिस्बाह ने एक टीवी शो पर कहा कि उन्हें विदेशी कोच नियुक्त किए जाने से कोई परेशानी नहीं है। हालांकि, उनके मुताबिक PCB, मीडिया, आलोचकों और प्रशंसकों का रवैया विदेशी कोचों के प्रति ज्यादा नरम रहता है। उन्होंने कहा कि विदेशी कोचों को ज्यादा अधिकार और ताकत भी दी जाती है।

मिस्बाह ने खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन के बाद उन्हें लगातार निशाना बनाने पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि किसी खिलाड़ी को असफलता के बाद बार-बार आलोचना का सामना करना पड़े तो उसके लिए फॉर्म और आत्मविश्वास हासिल करना मुश्किल हो जाता है।

उनके मुताबिक, खिलाड़ियों के प्रदर्शन का आकलन करते समय उन्हें सुधार का मौका देना चाहिए, न कि हर असफलता के बाद लगातार आलोचना का सामना करवाना चाहिए। पाकिस्तान अब एजबेस्टन में तीसरा टेस्ट खेलेगा। टीम के सामने सीरीज में 3-0 की हार से बचने की चुनौती है।

पीसीबी अधिकारी ने कहा 'कुछ नहीं' की उम्मीद

अख्तर ने PCB के एक अधिकारी से हुई बातचीत का भी जिक्र किया। उनके मुताबिक, उन्होंने अधिकारी से पूछा था कि इंग्लैंड दौरे पर मौजूदा टीम से बोर्ड को क्या उम्मीद है।

अख्तर ने अधिकारी के हवाले से कहा, 'कुछ नहीं। हमारी उम्मीदें उन खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी से हैं, जिन्हें हम बड़े मंच के लिए तैयार कर रहे हैं।'

अख्तर ने दावा किया कि इसी अधिकारी ने पाकिस्तान क्रिकेट की स्थिति को 'वेंटिलेटर पर' बताया था। उनके मुताबिक, राष्ट्रीय क्रिकेट सेटअप को दोबारा मजबूत करने में करीब दो साल लग सकते हैं।

मनोरंजन

जेल में भी मराठी नहीं सीख पाया : संजय दत्त

शिवसेना नेता हंसे, भाजपा विधायक बोले- ऑटो ड्राइवरों पर तो दबाव बनाते हैं

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र में मराठी भाषा को लेकर चल रहे विवाद के बीच बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त ने मराठी में बोलने से इनकार कर दिया। रविवार को मुंबई में आयोजित दही हांडी कार्यक्रम में उन्होंने कहा, "मैं 6 साल तक येरवडा जेल में रहा, तब भी मराठी भाषा नहीं सीख पाया।" संजय दत्त के बयान पर अब विवाद हो गया है।

यह कार्यक्रम ठाणे में शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता और महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने आयोजित किया था। संजय दत्त मंच पर हिंदी में बोल रहे थे। इस पर मंत्री ने उन्हें मराठी में बोलने के लिए कहा, लेकिन 67 साल के एक्टर ने मजाकिया अंदाज में ऐसा करने से मना कर दिया।

■ संजय दत्त और महाराष्ट्र के मंत्री प्रताप सरनाईक।

इस पर भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता ने प्रताप सरनाईक पर निशाना साधते हुए कहा कि ऑटो ड्राइवरों पर तो मराठी बोलने का दबाव बनाया जाता है।

संजय दत्त और प्रताप सरनाईक मंच पर खड़े थे तभी मंत्री ने कहा, "आजकल मैं सभी लोगों को मराठी सिखा रहा हूं। तो मैंने सोचा कि क्यों न हम सब संजय दत्त से मराठी में बात करवाएं। वह हिंदी में बात करते हैं, लेकिन हम सभी मराठी समझते हैं।" मंत्री की बात पर मंच पर मौजूद लोगों के चेहरे पर हंसी दिखाई दी। इसके बाद संजय दत्त ने माइक लिया और पहले "हर हर महादेव" के नारे लगाए।

बीजेपी विधायक ने शिवसेना मंत्री पर निशाना साधा

संजय दत्त के बयान पर भारतीय जनता पार्टी (BJP) के विधायक नरेंद्र मेहता ने प्रताप सरनाईक पर सवाल उठाए। नरेंद्र मेहता ने कहा, "अगर कोई कलाकार मराठी नहीं जानता तो उस पर आप हंसते हैं, लेकिन दूसरी तरफ आम रिक्शा चालकों पर मराठी भाषा को लेकर दबाव बनाया जाता है। यह कैसा न्याय है? एकनाथ शिंदे ने उन्हें कभी कुछ करने नहीं दिया। वहां डमी मंत्री की जरूरत है, इसलिए वे हैं।" मंच पर कुछ समय रहने के बाद संजय दत्त अपनी टीम के साथ रवाना होने लगे। वह उतर रहे थे, तभी एक शख्स तेजी से उन्हें धक्का देते हुए पास से गुजरा। संजय दत्त ने इसे नजरअंदाज नहीं किया और उस शख्स का हाथ पकड़कर अपनी ओर खींच लिया। जैसे ही शख्स ने देखा कि वह संजय दत्त हैं, उसने तुरंत माफी मांग ली।

हनुमान अंश पार्ट-2 में दिखेगा नैनीताल का कैंची धाम

2006 में डायरेक्टर ने टेका था माथा

नई दिल्ली, एजेंसी

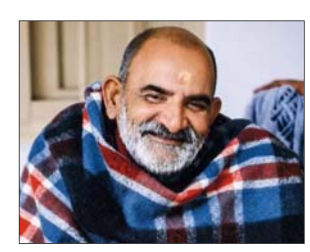

बाबा नीब करौरी के जीवन पर बनी फिल्म हनुमान अंश के पार्ट-2 की तैयारी शुरू हो गई है। फिल्म के डायरेक्टर डॉ. विशाल चतुर्वेदी ने इसकी घोषणा की है। पार्ट-2 में कैंची धाम की कहानी भी दिखाई जाएगी। बाबा 1960 के दशक की शुरुआत में कैंची पहुंचे थे और 15 जून 1964 को यहां हनुमान मंदिर व आश्रम की स्थापना हुई। जीवन के अंतिम वर्षों में कैंची उनका प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र रहा।

डॉ. विशाल चतुर्वेदी 2006 के आसपास अपनी पोस्टिंग के दौरान कई बार कैंची धाम गए थे। यहीं उनका पहली बार नीम करोली बाबा की शिक्षाओं से परिचय हुआ। इस अनुभव का उन पर गहरा असर पड़ा और करीब दो दशकों बाद यही जुड़ाव 'हनुमान अंश' की कहानी की प्रेरणा बना। नैनीताल में भवाली के पास शिप्रा नदी के किनारे स्थित कैंची धाम बाबा से जुड़े प्रमुख आध्यात्मिक स्थलों में शामिल है। नैनीताल में उनसे जुड़े चार प्रमुख धाम बताए जाते हैं- कैंची धाम, काकड़ीघाट, हनुमानगढ़ी और भूमियाधार।

अजय देवगन ने इललीगल सॉफ्टवेयर से किया था प्रैंक

अमिताभ बच्चन के नंबर से किसी और को भेजा मैसेज, लिखा- सुबह साढ़े 5 बजे मिलो

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन अक्सर मीडिया के सामने गंभीर नजर आते और कम बोलते हैं। हालांकि फिल्म के सेट पर सह-कलाकारों और क्रू मेंबर्स के साथ मजाक-मस्ती करते हैं और उनकी गिनती बॉलीवुड के सबसे बड़े प्रैंकस्टारों में होती है। यहां तक कि अजय देवगन ने सदी के महानायक अमिताभ बच्चन के साथ भी प्रैंक किया था।

'द कपिल शर्मा शो' में अजय देवगन ने बताया था कि बहुत साल पहले एक ऐसा इललीगल सॉफ्टवेयर आया था, जिससे किसी दूसरे नंबर से मैसेज भेजा जा सकता था। यानी मैसेज पाने वाले को लगता था कि उसे असली नंबर से ही मैसेज आया है।

अजय ने इसी सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल अपने दोस्त और पब्लिक रिलेशन (PR) एक्सपर्ट पराग देसाई के साथ प्रैंक करने के लिए किया। पराग देसाई अमिताभ बच्चन के भी PR थे। अजय ने रात करीब 10 बजे अमिताभ बच्चन के नंबर से पराग को मैसेज भेजा। मैसेज में लिखा था, "सुबह 5:30 बजे आकर मिलो।" मैसेज देखकर पराग टेंशन में आ गए कि क्या हुआ होगा और वो सुबह साढ़े पांच बजे अमिताभ बच्चन के घर पहुंच गए। उस समय अमिताभ बच्चन जिम में थे और उन्होंने पराग से बोला, इतनी सुबह-सुबह? जिस पर पराग ने उनसे कहा कि आपने उन्हें बुलाया है। अमिताभ बच्चन ने हैरानी से पूछा, "मैं क्यों बुलाऊंगा?"

इसके बाद पराग ने उन्हें वही मैसेज दिखाया। मैसेज देखकर अमिताभ बच्चन भी परेशान हो गए। उन्हें समझ नहीं आया कि आखिर उनके नंबर से यह मैसेज किसने भेजा।

शो पर अजय देवगन ने बताया कि बाद में उन्होंने अमिताभ बच्चन को पूरे प्रैंक की सच्चाई बता दी।

स्वरा भास्कर के बयान पर भड़के धीरेंद्र शास्त्री, धर्म परिवर्तन पर भी तंज कसा

'रानी पद्मावती का जौहर कायरता नहीं बहादुरी'

नई दिल्ली। धीरेंद्र शास्त्री ने स्वरा भास्कर के उस बयान की निंदा की है, जिसमें उन्होंने रानी पद्मावती के जौहर को कायरता कहा था। स्वरा बयान पर सफाई दे चुके हैं, लेकिन विवाद जारी है। अब बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री ने स्वरा भास्कर के जौहर को 'कायरता' कहने वाले बयान पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि जौहर कायरता नहीं, बल्कि बहादुरी, भक्ति और पति के प्रति समर्पण है।

यह बयान पश्चिम बंगाल के लीलुआ वर्कशॉप ग्राउंड में चल रही 'हनुमत कथा' के दूसरे दिन दिया गया। कार्यक्रम में दिए बयान के मुताबिक, धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि उनसे इस मुद्दे पर बिना बात किए रहा नहीं जा रहा था।

31 अगस्त को दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित 'वुमन, लाइफ, फ्रीडम' टॉक में स्वरा ने फिल्म पद्मावत के जौहर सीन का जिक्र करते हुए कहा की इससे रेप सर्वाइवर्स तक गलत संदेश जा सकता है। उन्होंने आगे कहा 'क्या हम सर्वाइवर्स को यही बताना चाहते हैं कि वे जीने के लायक नहीं हैं, कि अगर आप सच में इज्जतदार और बहादुर महिला होतीं, तो आपने खुद को मार लिया होता? क्या हम यह कह रहे हैं कि रेप किसी महिला की जिंदगी का अंत है?' एक सीन में गर्भवती महिला का पेट दिखाया गया है जो जौहर करने जा रही है। स्वरा ने कहा था, यह देखकर मुझे बहुत गुस्सा आया था और मैंने थियेटर में ही 'छी' कह दिया था। 5 दिन विचार करने के बाद मैंने डायरेक्टर संजय लीला भंसाली को ओपन लेटर लिखा था।

स्वरा के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने उन पर ऐतिहासिक बलिदान का अपमान करने का आरोप लगाया था।

स्वरा के बयान पर विवाद हो गया। कुछ समय बाद उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया।

धीरेंद्र शास्त्री- आप संस्कृति के बारे में क्या जानते हैं?

धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, 'एक तथाकथित महिला ने रानी पद्मावती के बारे में बयान दिया। उस महिला ने जौहर को कायरता कहा। ऐ नाककटु, चंडालन, जौहर कायरता नहीं है, यह बहादुरी, भक्ति और पति के प्रति समर्पण है। आप जौहर की संस्कृति के बारे में क्या जानते हैं?'

ट्रम्प ने ईरान के मैप पर खुद की फोटो लगाई

सोशल मीडिया पर एक घंटे में 7 पोस्ट किए, लिखा- बाय-बाय खार्ग

दावा

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान के खिलाफ सोशल मीडिया पर करीब 1 घंटे में एक के बाद एक 7 पोस्ट किए। इन पोस्ट में उन्होंने ईरान की कमजोर अर्थव्यवस्था, गिरते तेल निर्यात और कमजोर होती करेंसी को निशाना बनाया।

ट्रम्प ने रविवार रात ईरान के नक्शे पर अपनी तस्वीर लगाकर भी पोस्ट किया। सबसे ज्यादा ध्यान खार्ग द्वीप से जुड़ी AI तस्वीर ने खींचा, जिसमें तेल ठिकानों पर बमबारी होती दिखाई गई और लिखा था- बाय-बाय खार्ग।

इसके बाद ट्रम्प ने ईरान की महंगाई को लेकर ग्राफिक शेयर किया। इस पर लिखा था- ईरान हैज हाइपरइन्फ्लेशन।

हाइपरइन्फ्लेशन का मतलब ऐसी स्थिति से है, जब किसी देश में

चीजों के दाम बहुत तेजी से बढ़ने लगते हैं और उसकी करेंसी की कीमत तेजी से गिरती है। ग्राफिक में ईरान की बिगड़ती आर्थिक स्थिति को दिखाने की कोशिश की गई। ट्रम्प ने इसके जरिए यह बताने की कोशिश की कि ईरान की अर्थव्यवस्था पर दबाव सिर्फ तेल कारोबार तक सीमित नहीं है।

ट्रम्प ने ईरानी करेंसी रियाल को लेकर एक और ग्राफिक शेयर किया। इस पर लिखा था- ईरान करेंसी इज डेस्ट्रोएड।

ग्राफिक के मुताबिक, 2025 की शुरुआत में एक डॉलर की कीमत करीब 9 लाख ईरानी रियाल थी। दिखाए गए ताजा आंकड़ों में यह बढ़कर 22.7 लाख रियाल से ज्यादा हो गई।

ट्रम्प ने ईरान के नक्शे वाला एक ग्राफिक भी शेयर किया। इसमें ईरान के नक्शे पर उनकी अपनी तस्वीर लगाई गई थी।

> **ट्रम्प ने एक ग्राफिक शेयर कर दावा किया कि होर्मुज से अब करीब 1.8 करोड़ बैरल तेल रोज गुजर रहा है, जबकि पहले यह आंकड़ा करीब 2 करोड़ बैरल प्रतिदिन था।**

ईरान का तेल निर्यात बर्बाद हुआ

ट्रम्प ने ईरान के तेल निर्यात का ग्राफिक शेयर किया। इसमें दावा किया गया कि 2025 की शुरुआत में करीब 20 लाख बैरल प्रतिदिन का निर्यात 2026 में गिरकर लगभग शून्य तक पहुंच गया है।

ग्राफिक में बीच में कुछ सुधार दिखाया गया है, लेकिन तीसरी तिमाही में निर्यात फिर बेहद कम स्तर पर आता नजर आ रहा है।

इस पोस्ट के जरिए ट्रम्प ने ईरान पर अपने दबाव और वहां अमेरिकी कार्रवाई को लेकर अपना संदेश और आक्रामक अंदाज में रखा।

उमंग एप से अब घर बैठे यूएएन बना सकेंगे

आधार फेस-ऑथेंटिकेशन से वेरिफिकेशन होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

एम्पलाई प्रोविडेंट फंड ऑर्गेनाइजेशन यानी EPFO ने उमंग एप पर अपनी डिजिटल सर्विसेज में इजाफा किया है। अब पीएफ खाताधारक आधार-आधारित फेस-ऑथेंटिकेशन के जरिए मोबाइल से ही अपना यूनिवर्सल अकाउंट नंबर यानी UAN जनरेट, एक्टिवेट और ऑथेंटिकेट कर सकते हैं।

ऑर्गेनाइजेशन की इस पहल का मकसद EPFO सर्विसेज तक पहुंच को आसान बनाना और फिजिकल या मैनुअल वेरिफिकेशन पर निर्भरता को खत्म करना है।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर इसकी घोषणा करते हुए बताया कि मेंबर्स अब उमंग एप के जरिए सीधे UAN अलॉट, एक्टिवेट और ऑथेंटिकेट कर सकते हैं।

UAN एक्टिवेट होने के बाद मेंबर्स EPF बैलेंस चेक करने, पासबुक डाउनलोड करने, क्लेम स्टेटस ट्रैक करने और KYC डिटेल्स अपडेट करने जैसी तमाम सुविधाओं का फायदा घर बैठे उठा सकेंगे। यह सुविधा खासतौर पर उन कर्मचारियों के लिए बेहद फायदेमंद है जो पहली बार EPF सिस्टम से जुड़ रहे हैं। नया UAN बनाने के लिए कर्मचारी के पास एक वैलिड आधार नंबर, आधार-लिंक्ड मोबाइल नंबर और 'Aadhaar Face RD' एप्लीकेशन होना जरूरी है।

फास्ट न्यूज

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली बार जर्मनी में सरकार बना सकती है फार राइट पार्टी

बर्लिन। जर्मनी के पूर्वी राज्य सैक्सोनी-एनहाल्ट में हुए हालिया क्षेत्रीय चुनावों में फार राइट पार्टी अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी (एएफडी) ने 44% से अधिक वोट हासिल कर ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। यह परिणाम दूसरे विश्व युद्ध के बाद पहली बार किसी राज्य स्तर पर फार राइट पार्टी पार्टी के सत्ता में आने की संभावना पैदा करता है।

शेयर बाजार में इस हफ्ते हलचल की उम्मीद

मुंबई। पश्चिम एशिया में जारी अमेरिका-ईरान तनाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और अमेरिका के महंगाई आंकड़े इस हफ्ते शेयर बाजार की दिशा तय करेंगे। इसके अलावा विदेशी निवेशकों का रुख, डॉलर के मुकाबले रुपए की चाल और नई दिल्ली में 12-13 सितंबर को होने वाला 18वां ब्रिक्स सम्मेलन भी घरेलू बाजार पर असर डालेंगे। इरान ने स्ट्रैट ऑफ होर्मुज में एंट्री करने की कोशिश कर रहे एक अमेरिकी जहाज पर हमला करने का दावा किया है। इसके एक दिन पहले अमेरिकी सेना ने नौसैनिक जहाजों पर मिसाइल हमले के जवाब में तीन ईरानी तेल टैंकरों पर हमला किया था।

इंटरनेशनल एयर शो में भाग लेने मिस्र पहुंची वायुसेना की सारंग टीम

काहिरा। भारतीय वायु सेना (IAF) की फेमस सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम अल अलामीन इंटरनेशनल एयर शो के दूसरे संस्करण में हिस्सा लेने के लिए मिस्र पहुंच गई है। यह टीम आठ से दस सितंबर तक होने वाले एयर शो में अपनी करतब दिखाएगी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह प्रदर्शन पायलटों के कौशल के साथ भारत के स्वदेशी एयरोस्पेस सामर्थ्य को दर्शाएगा।

आज सोना 2409 और चांदी 3967 सस्ती

10 ग्राम सोना 1.52 लाख पर आया

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 7 सितंबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 2,409 रुपए घटकर 1.52 लाख रुपए पर आ गई है। वहीं एक किलो चांदी की कीमत आज 3,967 रुपए घटकर 2.31 लाख रुपए पर आ गई। बीते हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को सोने की कीमत 1.55 और चांदी के दाम 2.35 लाख रुपए थे। ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटीः एक शहर से दूसरे शहर सोना ले जाने में ईंधन और सुरक्षा खर्च जुड़ता है, जिससे दूरी बढ़ने पर दाम बढ़ते हैं।

खरीदारी की मात्राः दक्षिण भारत में ज्यादा खपत (करीब 40%) के कारण ज्वेलर्स बड़ी खरीद करते हैं,

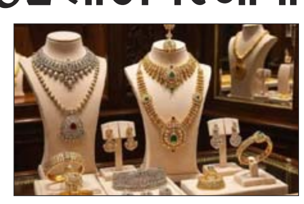

■ एक किलो चांदी 2.35 लाख की बिक रही

लेकिन छूट का फायदा सीमित रहता है। लोकल ज्वेलरी एसोसिएशनः राज्य और शहर के ज्वेलरी एसोसिएशन स्थानीय मांग-सप्लाई के आधार पर रेट तय करते हैं।

पुराना स्टॉक और खरीद मूल्यः ज्वेलर्स का खरीदी रेट तय करता है कि वे ग्राहकों को कितनी कीमत में बेचेंगे। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 19 हजार रुपए महंगा हो चुका है।

समलैंगिक लोगों को गालियां दे रहा था, विमान की इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी

अमेरिकी फ्लाइट में यात्री को टेप से बांधा

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका में अमेरिकन एयरलाइंस की एक फ्लाइट में 67 साल के यात्री ने अचानक हंगामा शुरू कर दिया। उसने पहले अश्वेत फ्लाइट अटेंडेंट के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। इसके बाद समलैंगिक लोगों को गालियां देने लगा।

पास बैठे यात्री ने हंगामे का विरोध किया तो उसने हमला कर दिया। इस दौरान बीच-बचाव करने आई एक महिला को भी धक्का दिया। हालात बिगड़ने पर तीन यात्रियों ने उसे काबू कर डक्ट टेप और जिप टाई से सीट पर बांध दिया। घटना के कारण फ्लाइट को बाल्टीमोर डायवर्ट करना पड़ा।

यह घटना 3 सितंबर की रात अमेरिकन एयरलाइंस की फ्लाइट 618 में हुई। विमान टेक्सास के डलास-फोर्ट वर्थ से न्यू जर्सी के

नेवार्क जा रहा था। आरोपी के हिंसक होने के बाद तीन पुरुष यात्री उसकी तरफ मदद के लिए आगे आए। उन्होंने मिलकर उसे रोकने की कोशिश की। इनमें रिटायर्ड अफसर जुआन मेजिया भी शामिल थे।

मेजिया के मुताबिक, कुछ ही सेकंड में विमान का माहौल पूरी तरह बदल गया। पहले सब कुछ सामान्य था, लेकिन यात्री अचानक चिल्लाने और मारपीट करने लगा।

आरोपी को रोकने की कोशिश के दौरान उसने मेजिया के हाथ पर काट लिया। इसके बाद फ्लाइट क्रू ने यात्रियों को डक्ट टेप और जिप टाई दीं। यात्रियों ने उसे सीट से बांध दिया और उसके हाथ जिप टाई से सुरक्षित कर दिए। फ्लाइट को बाल्टीमोर-वॉशिंगटन इंटरनेशनल थर्गूड मार्शल एयरपोर्ट डायवर्ट किया गया।

जीसस और नरक की बातें करते हुए चिल्लाने लगा

रिपोर्ट्स के मुताबिक, उड़ान के करीब दो घंटे बाद यात्री अचानक आक्रामक हो गया। वह जीसस और नरक में जाने की बातें करते हुए चिल्ला रहा था। इसके बाद वह पास बैठे यात्री से भिड़ गया। गवाहों के मुताबिक, उसने पहले उस यात्री के लैपटॉप पर वार किया और फिर उसका गला पकड़ लिया। एक महिला यात्री ने बीच-बचाव की कोशिश की तो उसने उसकी तरफ भी हमला करने की कोशिश की।

> **■ यात्री की पहचान 67 साल के आर्थर लेन लुंडीन के रूप में हुई है। वह एरिजोना का रहने वाला है। उसके खिलाफ सेकंड-डिग्री असॉल्ट और डिसऑर्डरली कंडक्ट के आरोप लगाए गए हैं।**
>
> **■ सोशल मीडिया पर इस घटना से जुड़ा वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें यात्री को टेप से बांधते हुए दिखाया गया है।**

ट्रम्प ने नतीजे की तस्वीर शेयर की, फ्रांस बोला- यह यूरोप के लिए गंभीर समय

जर्मनी में कट्टर दक्षिणपंथी पार्टी पहली बार सत्ता के करीब

बर्लिन, एजेंसी

जर्मनी की दक्षिणपंथी पार्टी अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी (AfD) ने सक्सोनी-आनहाल्ट के राज्य चुनाव में बड़ी जीत हासिल की है। एग्जिट पोल के मुताबिक, AfD को करीब 44% वोट मिले हैं और वह सबसे बड़ी पार्टी बन गई है।

यह नतीजा चांसलर फ्रेडरिक मर्ज और उनकी कंजरवेटिव पार्टी के लिए बड़ा झटका है। AfD पहली बार द्वितीय विश्व युद्ध के बाद किसी जर्मन राज्य में सत्ता के इतने करीब पहुंची है।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन के विशेष दूत किरिल दिमित्रिएव नेने इस जीत को ऐतिहासिक बताया है। वहीं, फ्रांस ने इसे पूरे यूरोप के लिए गंभीर

समय बताया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर चुनाव के अनुमानित नतीजे की एक तस्वीर शेयर की है। हालांकि उन्होंने AfD के समर्थन में कुछ नहीं लिखा। जर्मनी में नाजी शासन के इतिहास की वजह से मुख्यधारा की पार्टियां लंबे समय से बहुत ज्यादा दक्षिणपंथी मानी जाने वाली पार्टियों से दूरी रखती हैं। AfD पर भी दक्षिणपंथी चरमपंथ के आरोप लगते रहे हैं। इसलिए उसका किसी राज्य में सत्ता के करीब पहुंचना जर्मन राजनीति में बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

और बात सिर्फ इस एक राज्य की नहीं है। AfD राष्ट्रीय स्तर पर भी सबसे लोकप्रिय पार्टी बन चुकी है। हालिया INSA सर्वे में उसे करीब 28% समर्थन मिला है, जबकि मर्ज की CDU/CSU करीब 20% पर है। AfD की राजनीति में इमिग्रेशन, शरणार्थी और जर्मनी की राष्ट्रीय पहचान बड़े मुद्दे हैं। सबसे ज्यादा सीटें जीतने के बावजूद AfD के लिए सत्ता हासिल करना आसान नहीं है। CDU समेत दूसरी बड़ी पार्टियां पहले ही साफ कर चुकी हैं कि वे AfD के साथ गठबंधन नहीं करेंगी।

कौन हैं उलरिश जिगमुंड, जिन्हें एएफडी ने बनाया चेहरा

महंगाई, बेरोजगारी और मौजूदा पार्टियों से नाराजगी का फायदा AfD को खासकर पूर्वी जर्मनी में मिल रहा है। इस चुनाव में पार्टी ने 35 साल के उलरिश जिगमुंड को अपना मुख्य उम्मीदवार बनाया था।

36 साल के जिगमुंड 2016 से राज्य विधानसभा के सदस्य हैं। सोशल मीडिया पर उनकी अच्छी पकड़ है। उनकी छवि भी पार्टी के कट्टरपंथी नेताओं के मुकाबले ज्यादा नरम मानी जाती है। पार्टी को उम्मीद है कि इससे वह नए और युवा वोटरों तक पहुंच बना सकेगी।

एएफडी पर नाजी सोच से लेकर भेदभाव तक के आरोप

AfD के नेताओं पर नाजी नारों के इस्तेमाल और होलोकॉस्ट को कमतर दिखाने जैसे आरोप लगते रहे हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हिटलर और उसकी नाजी सरकार ने 60 लाखों यहूदियों को मार डाला था। इस घटना को होलोकॉस्ट कहते हैं।

जर्मनी की खुफिया एजेंसी भी AfD को संदिग्ध चरमपंथी संगठन के तौर पर देखती है। AfD के कुछ नेताओं ने मुस्लिमों और प्रवासियों को लेकर काफी तीखे और विवादित बयान दिए हैं।

AfD के सीनियर लीडर अलेक्जेंडर गाउलांड ने कई बार कह चुके हैं कि जर्मनी को इस्लाम के प्रति नरम रवैया छोड़ देना चाहिए। उन्होंने मुस्लिमों के बढ़ती जनसंख्या को जर्मन समाज के लिए खतरा बताया था।

भारत के स्पेस सेक्टर में सबसे बड़ी फंडिंग

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय स्पेस-टेक स्टार्टअप पिक्सेल ने 100 मिलियन डॉलर यानी करीब 835 करोड़ जुटाए हैं। यह भारत के स्पेस टेक्नोलॉजी सेक्टर में किसी भी कंपनी की जुटाई गई अब तक की सबसे बड़ी सिंगल फंडिंग है। 2019 में इस स्टार्टअप की नींव रखी गई थी।

इस नए निवेश के साथ ही कंपनी की कुल फंडिंग बढ़कर 195 मिलियन डॉलर यानी करीब 1840 करोड़ डॉलर पहुंच गई है। कंपनी इस फंड का इस्तेमाल अपने सैटेलाइट नेटवर्क को मजबूत करने और अर्थ इंटेलिजेंस सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म को डेवलप करने में करेगी। पिक्सेल के इस फंडिंग राउंड को सिंगापुर की सरकारी निवेश कंपनी टेमासेक और यूके की स्पेस-टेक वेंचर फर्म सेराफिम ने मिलकर लीड किया है। इसके अलावा कंपनी के पुराने इन्वेस्टर्स रेडिकल वेंचर्स और ग्रोएक्स वेंचर्स ने भी इसमें हिस्सा लिया। वहीं, 360 वन एसेट और IMM इन्वेस्टमेंट जैसे नए निवेशक भी इस राउंड में शामिल हुए हैं। कंपनी के मुताबिक, जुटाए गए नए फंड का इस्तेमाल सेंसिंग कैपेबिलिटीज बढ़ाने और सैटेलाइट इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए किया जाएगा।

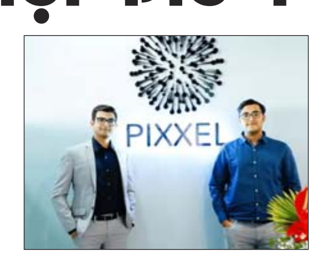

■ पिक्सल ने जुटाए 944 करोड़ सैटेलाइट नेटवर्क और एआई प्लेटफॉर्म का विस्तार करेगी कंपनी

हादसा : 64 घायल, चर्च में सेलिब्रेशन चल रहा था, सैकड़ों लोग जमा थे, आतिशबाजी धमाके के बाद के 2 ड्रोन व्यू

मेक्सिको में आतिशबाजी के दौरान धमाका, 10 की मौत

टेमास्कालसिंगो, एजेंसी

मेक्सिको में धार्मिक उत्सव के दौरान शनिवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां आतिशबाजी के सामान में जोरदार धमाका होने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 60 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। धमाके के बाद आग फैल गई और चर्च की दीवारों का एक हिस्सा भी गिर गया। हादसा मध्य मेक्सिको के मेक्सिको राज्य के टेमास्कालसिंगो नगरपालिका के सांता मारिया कांचेस्दा गांव में हुआ। उस समय गांव में धार्मिक उत्सव चल रहा था और बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

हादसे के बाद सामने आए वीडियो में गांव का मुख्य चौक धुएं

से भरा दिखाई दे रहा है। जमीन पर मलबा बिखरा हुआ है और लोग सुरक्षित जगह की ओर भागते नजर आ रहे हैं। कुछ लोग मलबे के बीच फंसे लोगों को तलाशते भी दिखाई देते हैं। हादसे के बाद राहत और बचाव का काम शुरू किया गया। मेक्सिको में धार्मिक उत्सवों और स्थानीय समारोहों में आतिशबाजी का इस्तेमाल आम है। लेकिन कई बार पटाखों के भंडारण और इस्तेमाल के दौरान बड़े हादसे भी हो चुके हैं। जुलाई 2018 में मेक्सिको सिटी के उत्तर में स्थित तुल्तेपेक शहर की एक आतिशबाजी फैक्ट्री में विस्फोट हुआ था। इसमें 24 लोगों की मौत हुई थी।

इससे पहले तुल्तेपेक के एक आतिशबाजी बाजार में भी बड़ा धमाका हुआ था। इस हादसे में 42 लोगों की जान गई थी।

> **हादसे में दो पादरी भी घायल हुए हैं। अटलाकोमुल्को धर्मप्रांत ने बताया कि दोनों की हालत ऐसी है कि उनके बचने की उम्मीद है।**
>
> **धर्मप्रांत ने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों और उनके परिवारों के प्रति संवेदना जताई है। साथ ही घायलों और उनके परिवारों के लिए भी प्रार्थना की।**

■ मेक्सिको में आतिशबाजी धमाके के बाद प्रार्थना करते लोग।

आतिशबाजी वाले बैल से निकली चिंगारी से भड़की आग

सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में लोग भूसे से बने बैल की आकृति लेकर चलते नजर आ रहे हैं। इस आकृति पर आतिशबाजी लगी थी और उससे चिंगारियां निकल रही थीं। AFP के मुताबिक, यह गांव की स्थानीय धार्मिक परंपरा का हिस्सा था। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, इसी आतिशबाजी वाले बैल से निकली चिंगारी चर्च में रखे पटाखों तक पहुंच गई। इसके बाद वहां जोरदार धमाका हुआ और आग फैल गई। धमाके की वजह से चर्च की दीवारें गिर गईं। कुछ लोग मलबे में दब गए, जिन्हें निकालने के लिए स्थानीय लोगों और बचाव दल ने तलाश अभियान चलाया।

मारुति की कारें बीस हजार तक होंगी महंगी

सितंबर से चुनिंदा मॉडल्स पर लागू होंगी नई कीमतें

नई दिल्ली, एजेंसी

मारुति सुजुकी इंडिया ने चुनिंदा मॉडल की कीमतें 20 हजार तक बढ़ाने का ऐलान किया है। नई कीमतें सितंबर से लागू होंगी। मई के बाद कीमतों में यह तीसरी बढ़ोतरी है। कंपनी ने बताया कि उत्पादन में लगने वाली लागत लगातार बढ़ रही है। इसे ध्यान में रखते हुए चुनिंदा मॉडल्स की कीमतें 20,000 तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। हालांकि कंपनी ने अभी यह साफ नहीं किया है कि किस मॉडल पर कितने रुपए बढ़ाए जा रहे हैं।

कंपनी ने कहा, ₹लगातार ऊंचे स्तर पर बनी महंगाई और विपरीत लागत परिस्थितियों के कारण बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा ग्राहकों पर डालना हमारी मजबूरी हो गया है। हालांकि, हमने यह पूरी कोशिश की है कि ग्राहकों पर इसका कम से कम असर पड़े।

पिछली दो बढ़ोतरीः मई के बाद हुई पिछली दोनों बढ़ोतरी में कंपनी ने अपने पूरे कार पोर्टफोलियो यानी एंट्री लेवल से लेकर प्रीमियम तक के दाम बढ़ाए थे।

इस बार का फैसलाः इस बार कंपनी ने सभी कारों के बजाय केवल चुनिंदा मॉडल्स की कीमतों में ही 20,000 तक की बढ़ोतरी की है।

सितंबर और अक्टूबर से भारत में फेस्टिव सीजन शुरू हो जाता है, जब लोग सबसे ज्यादा नई गाड़ियां खरीदते हैं। ऐसे समय में मारुति जैसी मास-मार्केट कंपनी के दाम बढ़ाए जाने से त्योहारी सीजन में कार खरीदने का प्लान बना रहे ग्राहकों के बजट पर असर पड़ेगा।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96